OR

कंप्यूटर

अध्यापकों के लिए कंप्यूटर शृंखला के
सभी प्रश्नों के उत्तर सहित

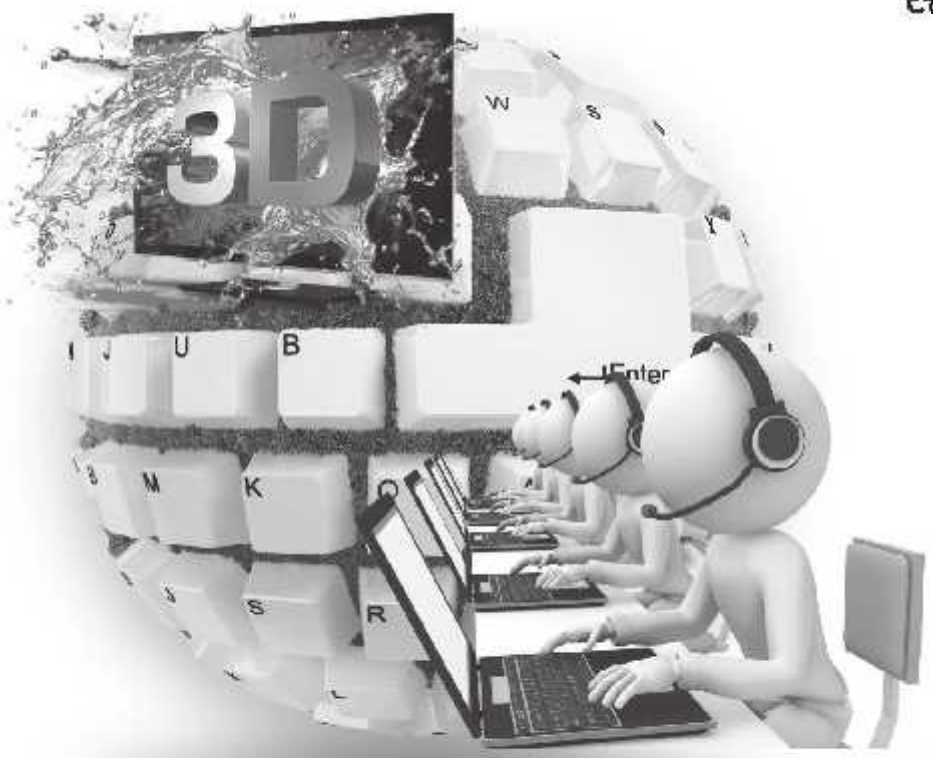

भाग
1 से 5

कंप्यूटर-1

पाठ-1 कंप्यूटर-कक्ष के तौर-तरीके

क्रियात्मक कार्य

(✗)

(✗)

(✓)

(✓)

(✗)

(✓)

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (ब) 3. (अ) 4. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. जूते 2. खाना-पीना 3. शोर 4. सी०पी०यू०

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✓)

(घ) सही मिलान कीजिए–

1. (स) 2. (द) 3. (य) 4. (अ)
5. (ब)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. पंक्ति बनाकर 2. कंप्यूटर कक्ष के बाहर
3. माउस पैड़ पर रखकर 4. सीधे

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. क्योंकि मॉनिटर स्क्रीन के निकट बैठने से हमारी आँखें खराब हो सकती हैं।
2. (i) कंप्यूटर-कक्ष में शोर नहीं करना चाहिए।
   (ii) कंप्यूटर-कक्ष में कुछ भी खाना-पीना नहीं चाहिए।

पाठ-2 कंप्यूटर-एक अद्‌भुत मशीन

क्रियात्मक कार्य

वाशिंग मशीन

रेफ्रिजरेटर

इस्त्री

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (स) 3. (अ) 4. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. मानव-निर्मित 2. इस्त्री
3. हवा 4. इलैक्ट्रॉनिक

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗)
5. (✓)

(घ) सही अक्षर भरकर शब्द पूरे कीजिए–

1. आसान 2. तार
3. रेफ्रिजरेटर 4. कंप्यूटर

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. मशीनें हमारे कार्यों को आसान बनाती हैं, व उन्हें तेजी से करती हैं।
2. कंप्यूटर बहुत-से कार्य कर सकता है।

पाठ-3 कंप्यूटर को चलाना

(क) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✗) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. इलैक्ट्रॉनिक 2. पॉवर सप्लाई
3. Start Menu 4. Shut Down

लिखित प्रश्न

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. पहला चरण – पॉवर सप्लाई का बटन ऑन कीजिए।
   दूसरा चरण – यू.पी.एस. का बटन ऑन कीजिए।
   तीसरा चरण – मॉनीटर का बटन ऑन कीजिए।
   चौथा चरण – सी.पी.यू. का बटन ऑन कीजिए।
2. पहला चरण – Start button पर क्लिक कीजिए।
   दूसरा चरण – Shut down पर क्लिक कीजिए।
   तीसरा चरण – एक Box दिखेगा।
   चौथा चरण – Shut down को चुनकर उस पर क्लिक कीजिए।
   पाँचवाँ चरण – OK पर क्लिक कीजिए।

छठाँ चरण – मॉनिटर पर स्विच बंद कीजिए।

सातवाँ चरण – सी.पी.यू. का बटन बंद कीजिए।

आठवाँ चरण– पॉवर सप्लाई का बटन बंद कीजिए।

पाठ-4 कंप्यूटर के कार्य

क्रियात्मक कार्य

(✗)

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (अ) 3. (ब) 4. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. सवालों 2. खेल
3. कुछ भी टाईप 4. संदेशों

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗)

(घ) सही मिलान कीजिए–

1. (ब) 2. (अ) 3. (द) 4. (य)
5. (स)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. हम कंप्यूटर पर गाने सुन सकते हैं।
2. स्वंय करें।
3. हाँ

पाठ-5 कंप्यूटर के भाग

क्रियात्मक कार्य

मॉनिटर सी.पी.यू. माउस की-बोर्ड

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (अ) 3. (स)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. मॉनिटर 2. सी.पी.यू.
3. की-बोर्ड 4. माउस

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. मॉनिटर 2. की-बोर्ड
3. माउस 4. सैन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए–

1. मॉनिटर, की-बोर्ड, सी.पी.यू. व माउस कंप्यूटर के मुख्य भाग हैं।
2. ⋄ सी.पी.यू. को कंप्यूटर का मस्तिष्क कहते हैं
   ⋄ इसे सिस्टम यूनिट भी कहते हैं।

पाठ-6 की-बोर्ड

क्रियात्मक कार्य

(अ) 0-9 (ब) 26 (स) 2 (द) 1

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (अ) 3. (स) 4. (अ)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. टाइपराइटर 2. संख्याओं
3. स्पेसबार 4. एंटर कुँजी

(ग) सही मिलान कीजिए–

1. (य) 2. (द) 3. (अ) 4. (ब) 5. (स)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. वर्णमाला की कुँजी 2. स्पेसबार कुँजी
3. एंटर कुँजी 4. डीलीट कुँजी

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए–

1. की-बोर्ड कंप्यूटर का एक महत्वपूर्ण भाग है। यह एक इनपुट डिवाइस है। की-बोर्ड पर अनेकों छोटे-छोटे बटन होते हैं, जो कीज (कुँजियाँ) कहलाते हैं।
2. स्पेसबार कुँजी की-बोर्ड पर सबसे लंबी कुँजी होती है। इसका प्रयोग दो शब्दों या अक्षरों के बीच में खाली जगह छोड़ने के लिए किया जाता है।

पाठ-7 माउस का प्रयोग

क्रियात्मक कार्य

(✓)

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (ब) 3. (ब) 4. (स)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. संकेतक 2. दाएँ 3. माउस-पैड 4. चुनकर

(ग) सही मिलान कीजिए–

1. (य) 2. (द) 3. (अ) 4. (ब) 5. (स)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. माउस 2. तर्जनी उंगली
3. अनामिका
4. मॉनीटर पर दिखाई देने वाली तीर का निशान

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए–

1. ड्रेगिंग और ड्रॉपिंग का प्रयोग माउस की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसका प्रयोग किसी भी फाईल/फोल्डर अथवा टैक्सट को स्क्रीन पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है।
2. डबल क्लिक का प्रयोग किसी भी फाईल/फोल्डर को चुनकर खोलने के लिए किया जाता है।

पाठ-8 एम. एस. पेंट का परिचय

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (स)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. एम.एस. पेंट 2. माइक्रोसॉफ्ट
3. ड्राईंग क्षेत्र 4. टैब 5. रिबन

लिखित प्रश्न

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. पेंट को खोलने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए-

   पहला चरण – माउस पाईंटर को Start बटन पर लाकर क्लिक कीजिए।

   दूसरा चरण – All Apps पर क्लिक कीजिए।

   तीसरा चरण – Accessories. पर क्लिक कीजिए।

   चौथा चरण – Paint पर क्लिक कीजिए।
2. क्विक एक्सेस टूलबार, पेंट बटन, रिबन, ड्राईंग क्षेत्र।
3. रिबन के दो भाग होते हैं।

❑❑❑

कंप्यूटर-2

पाठ-1 कंप्यूटर के प्रकार

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (अ) 2. (अ) 3. (स) 4. (ब)
5. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. गणनाओं 2. इनपुट 3. विद्युत चलित
4. की-बोर्ड 5. माइक्रोफोन

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✓)
5. (✗)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. स्पीकर्स 2. सैन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट
3. अनइन्ट्रपटिड पॉवर सप्लाई 4. जॉयस्टिक
5. लैपटॉप 6. पर्सनल कंप्यूटर

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. कंप्यूटर एक आश्चर्यजनक बिजली से चलने वाला उपकरण है। यह टेलीविजन की तरह दिखता है। कंप्यूटर के कुछ महत्वपूर्ण भाग निम्नलखित हैं–
   मॉनीटर, माउस, की-बोर्ड, सी०पी०यू०, प्रिंटर, स्पीकर्स और हैडफोन, स्कैनर, जॉयस्टिक, माइक्रोफोन, यू०पी०एस०
2. सी०पी०यू० का पूरा नाम सैन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट है। यह कंप्यूटर का सबसे महत्वपूर्ण और आवश्यक भाग है। इसमें कंप्यूटर की सारी जानकारियाँ संचित रहती है।
3. यू०पी०एस० का पूरा नाम अनइनट्रपटिड पॉवर सप्लाई है। इसका प्रयोग बिजली के चले जाने पर कुछ समय तक कंप्यूटर पर कार्य करने के लिए किया जाता है ताकि कंप्यूटर पर किया गया कार्य फाइल में सुरक्षित किया जा सके।
4. पर्सनल कंप्यूटर बड़ा होता है और लैपटॉप कंप्यूटर एक ब्रीफकेस की तरह होता है।

पाठ-2 कंप्यूटर के प्रयोग

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (ब) 3. (अ) 4. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. रिपोर्ट 2. संदेश 3. सी०पी०यू० 4. इमारतों

(ग) सही जोड़े मिलाइए–

1. (द) 2. (य) 3. (अ) 4. (स)
5. (ब)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. विद्यालय में कंप्यूटर बच्चों के पढ़ाने के लिए प्रयोग किया जाता है।

   विद्यालय में कंप्यूटर पुस्तकालय में पुस्तकों की जानकारी संग्रहित करने के लिए किया जाता है।

   विद्यालय में कंप्यूटर विद्यर्थियों का विवरण-पत्र (रिपोर्ट कार्ड) बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है।
2. बैंक में कंप्यूटर का प्रयोग
   - धन का ब्यौरा व ग्राहकों का ब्यौरा रखने के लिए किया जाता है।
   - ग्राहकों के खातों का रिकार्ड रखने के लिए किया जाता है।
   - ए०टी०एम० से धन निकालने के लिए किया जाता है।
3. प्रकाशन कार्य में कंप्यूटर का प्रयोग किताबों, पत्रिकाओं और अखबारों को डिजाइन करने के लिए किया जाता है।

पाठ-3 की-बोर्ड

क्रियात्मक कार्य

स्पेसबार कुँजी एंटर कुँजी कैप्सलॉक कुँजी बैकस्पेस कुँजी

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (अ) 3. (स) 4. (अ)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. वर्णमाला की कुँजियों 2. नंबर-कुँजियों
3. स्पेसबार-कुँजी 4. कैप्सलॉक

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. लॉथम शॉल 2. स्पेसबार कुँजी
3. एंटर कुँजी 4. एंटर कुँजी

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. की-बोर्ड कंप्यूटर का मुख्य भाग है।

   की-बोर्ड पर छोटे-छोटे बटनों को कीज (कुँजियाँ) कहते है।

   एक की-बोर्ड पर अलग-अलग प्रकार की कुँजियाँ होती है। इस पर सौ से अधिक कुँजियाँ होती हैं।

   कुछ कीज (कुँजियाँ) बहुत महत्वपूर्ण होती है।
2. की-बोर्ड पर A से Z तक वर्णमाला की कुँजियाँ होती है। इनकी सहायता से हम अपने पत्र व आँकड़ों को कंप्यूटर पर टाईप कर सकते हैं।
3. **कैप्स लॉक कुँजी–**कंप्यूटर की-बोर्ड पर बायीं ओर होती है। यह अंग्रेजी के बडे अक्षरों को छोटे और छोटे अक्षरों को बड़े में बदलने के काम में आती है।

पाठ-4 माउस और इसके प्रकार

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (अ) 3. (अ) 4. (स)
5. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. दो 2. तीन 3. ऑप्टिकल
4. बाएँ 5. दायाँ

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✓)
5. (✓)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सन् 1970 में डॉ० गल्स एंजलबर्ट ने माउस का आविष्कार किया था।
2. माउस विभिन्न प्रकार के होते हैं–दो बटन वाला, तीन बटन वाला, स्क्रॉल व ऑप्टीकल माउस।
3. ऑप्टीकल माउस के अन्दर बॉल नहीं होती है।
4. जब हम माउस का प्रयोग करते है, तब कंप्यूटर पर एक छोटा-सा तीर का निशान देखते हैं। जब हम माउस को हिलाते हैं, वह भी कंप्यूटर की स्क्रीन पर हिलता है। इसी को माउस पाइंटर कहते है।

5. बाएँ क्लिक का प्रयोग फाइल/फोल्डर को चुनने के लिए किया जाता है। इसका प्रयोग कंप्यूटर को निर्देश देने के लिए भी किया जाता है।
6. सामान्यतः दाएँ क्लिक का प्रयोग किसी भी फाइल को खोलने या उसको डीलीट (रद्द) करने के लिए करते हैं।

पाठ-5 माइक्रोसॉफ्ट विंडोज

क्रियात्मक कार्य

माई कंप्यूटर

इंटरनेट एक्सप्लोरर

रिसाइकिल बिन

माई डॉक्यूमेंट

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (स) 3. (स) 4. (अ)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. एम०एस० विंडोज 2. बाएँ क्लिक
3. माउस पैड 4. डेस्कटॉप
5. Maximize

(ग) निम्न के क्या कार्य हैं? संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. यह हमें उस फाईल के नाम को दर्शाता है, जिसमें हम काम करते हैं।
2. मैन्यू बोर में विभिन्न मैन्यू होते हैं। विभिन्न प्रकार के प्रोग्राम में विभिन्न टाईटल होते हैं।
3. प्रत्येक बार जब हम विंडों को खोलते हैं, तो एक बटन टास्कबार को दर्शाता है।
4. इसका प्रयोग विंडो के पेज को ऊपर-नीचे घुमने के लिए करते हैं।

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. ऑपरेटिंग सिस्टम एक ऐसा सॉफ्टवेयर होता है, जो कंप्यूटर पर कार्य करने में हमारी मदद करता है।
2. जब हम कंप्यूटर का स्विच ऑन करते हैं, तो कुछ सेकंड में विंडोज में अनेक परिवर्तन होते हैं, और कुछ देर बाद बहुत-से छोटे-छोटे चित्रों व उनके नामों के साथ कंप्यूटर की पहली स्क्रीन प्रदर्शित होती है, इसे डेस्कटॉप कहते हैं।
3. वे छोटे-छोटे चित्र जिन्हें हम कंप्यूटर की डेस्कटॉप पर देखते हैं, आईकन कहलाते हैं।
4. डेस्कटॉप पर चमकती हुई एक रेखा जो डॉक्यूमेंट की स्थिति को दर्शाती है। उसे कर्सर कहते हैं।

पाठ-6 एम० एस-पेंट का परिचय

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (अ) 3. (स) 4. (अ)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. एम०एस० 2. रेक्टेंगल 3. पेंसिल
4. इरेजर 5. सेविंग

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. लाईन टूल 2. इलिप्स टूल
3. गलत कार्य को मिटाना 4. गोला बनाने के लिए
5. पेंसिल टूल

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. कंप्यूटर पर चित्र बनाने के लिए एक सॉफ्टवेयर बनाया गया है, जिस एम० एस० पेंट कहते हैं।
2. Save की गई फाइल या कार्य को खोलने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए।
   पहला चरण – File मेन्यू पर क्लिक करे।
   दूसरा चरण – Open विकल्प पर क्लिक करें।
   तीसरा चरण – अब आप जो फाइल खोलना चाहे खोल सकते है।
   चौथा चरण – Open बटन पर क्लिक करे।
3. किसी भी फाइल को सुरक्षित (Save) करने के लिए निम्न चरणों का पालन कीजिए—
   पहला चरण – सबसे पहले फाइल मेन्यू पर क्लिक कीजिए। फाइल की एक लिस्ट खुलकर आ जाएगी।
   दूसरा चरण – Save विकल्प पर क्लिक कीजिए। एक नयी विंडों (Dialog Box) खुलेगा।
   तिसरा चरण – अब File name बॉक्स में अपनी File का नाम टाईप करें।
   चौथा चरण – Save बटन पर क्लिक कीजिए। अब आपका कार्य एक फाइल में कंप्यूटर में सुरक्षित हो गया।

□□□

कंप्यूटर-3

पाठ-1 हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (स) 3. (अ) 4. (अ)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. हार्डवेयर 2. साफ्टवेयर 3. विंडोज
4. पेंट 5. चलाता

(ग) सही मिलान कीजिए–

1. (य) 2. (द) 3. (स) 4. (ब)
5. (अ)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. हार्डवेयर, कंप्यूटर के वे भाग होते हैं। जिनको हम छू सकते हैं। और सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर के वे भाग होते हैं जिनको हम छू नहीं सकते हैं।
2. **सॉफ्टवेयर-**(i) कॉलर ड्रॉ (ii) एम०एस० ऑफिस।
   हार्डवेयर-(i) मॉनीटर (ii) सी०पी०यू०

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. कंप्यूटर के वे भाग, जिन्हें हम देख व छू सकते हैं, हार्डवेयर कहलाते हैं। मॉनीटर, सी.पी.यू,की-बोर्ड, माउस, प्रिंटर, स्पीकर, स्कैनर, माइक्रोफोन आदि हार्डवेयर हैं।

   सॉफ्टवेयर कंप्यूटर के वे भाग होते हैं, जिन्हें हम छू नहीं सकते केवल निर्देशों के संग्रहण को देख सकते हैं। ये निर्देश हार्डवेयर के कार्य करने के लिए लिखे जाते हैं।
2. सिस्टम सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर को चलाता है। जब हम अपने कंप्यूटर को Start करते हैं, तो एक सॉफ्टवेयर भी इसके साथ Start हो जाता है। यह ऑपरेटिंग सिस्टम (Operating System) कहलाता है।

   विंडोज एक ऑपरेटिंग सिस्टम है, जो सिस्टम सॉफ्टवेयर का एक उदाहरण है; जैसे–

   (i) एम०एस- विंडोज (ii) नॉर्टन एंटीवायरस (iii) एम०एस-ऑफिस (iv) एडोब फोटोशॉप, आदि सिस्टम सॉफ्टवेयर हैं।
3. एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर उपभोक्ता की आवश्यकतानुसार उनके कार्यों को आसान करने के लिए बनाए जाते हैं। जैसे–कैलकुलेटर, एम.एस. पेंट आदि। सिस्टम सॉफ्टवेयर वे सॉफ्टवेयर होते हैं, जो मानव की भाषा को मशीनी भाषा में बदलते हैं। सिस्टम सॉफ्टवेयर कंप्यूटर की सभी गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं; जैसे–एम.एस. विंडोज, नार्टन एंटीवायरस आदि।

पाठ-2 एम० एस-विंडोज-10

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (ब) 3. (अ) 4. (स)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. व्यवस्थापक 2. डबल क्लिक
3. कैलकूलेटर 4. साईंटिफिक

(ग) सही मिलान कीजिए–

1. (य) 2. (द) 3. (अ) 4. (ब)
5. (स)

(घ) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. ऑपरेटिंग सिस्टम
2. (i) एम.एस. विंडोज (ii) लाइनक्स।
3. माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. ऑपरेटिंग सिस्टम एक ऐसा सॉफ्टवेयर है, जो अपने विभिन्न कार्यों के माध्यम से कंप्यूटर को चलाने में सहायता करता है। यह कंप्यूटर सिस्टम के विभिन्न भागों को नियंत्रित तथा व्यवस्थित करता है।
2. कंप्यूटर का स्विच ऑन करने के कुछ समय पश्चात् जो स्क्रीन हमें-मॉनीटर पर दिखाई देती है, उसे डेस्कटॉप कहते हैं।
3. डेस्कटॉप के नीचे की ओर स्थित एक लंबी छड़ टास्कबार कहलाती है। इसमें स्टार्ट बटन, क्लिक लांच बार, करंट ओपन फाइल के नाम तथा सिस्टम ट्रे अर्थात (दिनांक एवं समय बॉक्स) होते हैं।

पाठ-3 वर्डपैड का परिचय

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (ब) 3. (स) 4. (ब)
5. (अ)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. प्रोग्राम 2. मेन्यू 3. टाईटल
4. कर्सर 5. क्लोज

(ग) सही मिलान कीजिए–

1. (य) 2. (द) 3. (अ) 4. (ब)
5. (स)

(घ) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. कम्प्यूटर पर दस्तावेजों को लिखने का प्रोग्राम।
2. वर्ड-पैड विंडो के ऊपर।
3. बड़ा सफेद खाली स्थान।
4. कर्सर कार्य क्षेत्र में चमकती हुई एक रेखा है। कर्सर टाइप किए गए विषय (टैक्स्ट) की स्थिति को दर्शाता है।
5. क्लोज बटन, मिनीमाइज, मैक्सीमाइज, बटनों।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. वर्ड-पैड एक Text-editor है, जो नोटपैड से कुछ अधिक लेकिन एम. एस वर्ड से कुछ कम विशेषताओं के साथ डॉक्यूमेंट बनाने में सहायक है।
2. Text को Save करने के लिए निम्न चरण है—
   पहला चरण – मेन्यूबार से File Menu पर क्लिक करें।
   दूसरा चरण – Save विकल्प पर क्लिक करें।
   तीसरा चरण – File Name Box में अपने कार्य का कोई भी नाम टाइप करें।
   चौथा चरण – Save Button पर क्लिक करें। आपका कार्य सुरक्षित एवं संग्रहीत हो गया है।
3. वर्डपैड को खोलने के लिए हम Start button → All Apps → Accessories → WordPad पर क्लिक करते हैं।
   वर्डपैड स्क्रीन खुलती है। अब, हम इसमें कार्य कर सकते है।
4. क्लोज बटन, मिनीमाइज, मैक्सीमाइज, बटनों।

पाठ-4 एम० एस-पेंट

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (अ) 2. (ब) 3. (अ) 4. (स)
5. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. टैक्स्ट 2. ब्रश 3. सलैक्ट 4. पिक कलर

(ग) टूल का उसके नाम से मिलान कीजिए–

1. (ब) 2. (स) 3. (द) 4. (य)
5. (अ)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. पिक कलर टूल 2. कर्व टूल
3. टैक्स्ट टूल

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. (i) पेंट का प्रयोग हम चित्रों को बनाने, एडिट करने व प्रिंट करने के लिए करते हैं।
   (ii) कार्टून चित्रों, ड्राईंग व मानचित्रों को भी हम इसी सॉफ्टवेयर में बना सकते हैं।
   (iii) टूलबॉक्स पेंट स्क्रीन में बायीं ओर लंबवत होता है।
2. एम०एस० पेंट विंडों के निम्न प्रकार भाग हैं–
   (i) एम० एस० पेंट बटन (M.S. Paint Buttons)– यह एम०एस० पेंट का एक मुख्य भाग है। यह Menu bar में होता है। इस बटन में एम०एस० पेंट में बनने वाले डॉक्यूमेंट के लिए कई विकल्प होते हैं।
   (ii) क्विक एक्सेस टूलबार (Quick Access Toolbar)–यह भी एम०एस० पेंट का मुख्य भाग है, जो Title bar में होता है। इसे हम शॉर्ट-कट की तरह उपयोग में लेते हैं।
   (iii) टाइटल बार (Title Bar)–यह विंडो का सबसे ऊपरी भाग है। इस बार पर एम०एस० पेंट में बनाई गई फाईल के नाम को दिखाया जाता है। जब तक फाईल को Save नहीं किया जाएगा फाईल का नाम नहीं दिखाया जाता और वहाँ Untitled लिखा होता है। जैसे ही हम फाईल को Save करते हैं, तो Untitled के स्थान पर फाईल का नाम दिखाया जाता है।
   (iv) रिबन (Ribbon)–रिबन Title bar के नीचे स्थित होता है। इस भाग में M.S. Paint Tabs (जो विकल्प Menu bar में होते हैं।) के विकल्पों को दिखाया जाता है।
   (v) स्क्रॉल बार (Scrall Bar)–स्क्रॉल बार एम०एस० पेंट विंडों में दोनों ओर होती है। एक बार लंबवत (Vertically) है, जो कैनवास

को ऊपर नीचे सरकाने के लिए होती है तथा दूसरी ओर आड़ी (Harizontally) होती है, जो कैनवास को दाएँ-बाएँ सरकाने के लिए प्रयोग होती है।

(vi) स्टेटस बार (Status Bar)–यह Drawing Area के बिल्कुल नीचे होता है। इस बार के नीचे दाएँ कोने में Zoom Tool होता है, जिसकी सहायता से कैनवास को बड़ा या छोटा करके देखा जा सकता है।

(vii) ड्राईंग एरिया/या कैनवास (Drawing Area or Canvas)–इसे कैनवास भी कहते हैं। यह पेंट-विंडो का महत्वपूर्ण भाग है और यह एम०एस० पेंट विंडो का सबसे बड़ा तथा मध्य भाग होता है। इसी क्षेत्र में चित्र आदि बनाए जाते हैं।

3. एम० एस० पेंट को खोलने के लिए हम Start → All Apps → Window → Accessories → M.S- Paint पर क्लिक करते हैं।

4. (i) Free from select tool, (ii) Select tool (iii) Pick colour tool (iv) Brush tool (v) Polygon tool (vi) Test tool

पाठ-5 एम० एस० वर्ड 2016

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (अ) 3. (अ) 4. (अ) 5. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. सॉफ्टवेयर 2. डॉक्यूमेंट
3. एप्लीकेशन 4. कर्सर

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. (i) एम० एस० वर्ड (ii) एम० एस० एक्सेल (iii) एम० एस० पेंट
2. एम० एस० ऑफिस
3. (i) एम० एस० वर्ड (ii) वर्ड परफैक्ट
4. माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस वड 5. कर्सर

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. वर्ड प्रोसेसिंग साफ्टवेयर की विशेषताएँ निम्न प्रकार है–
   (i) इसमें अपने पत्र, रिपोर्ट, नोटिस, पुस्तकों आदि को आकर्षक तरीकों से तैयार कर सकते हैं।
   (ii) हम अपने दस्तावेजों को टाइप करने के दौरान अथवा बाद में भी उनमें परिवर्तन कर सकते हैं, और उन्हें Colour, style, Font size, Border, Shading इत्यादि के द्वारा सुंदर रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।
   (iii) अपने टैक्स्ट को कागज पर प्रिंट करने से पहले उसका प्रारूप देख सकते हैं।
2. Copy में हम अपने Document को अनेक शीटों पर ले जा सकते हैं और Moving में हम अपने Document को एक शीट से केवल अगली एक ही शीट पर ले जा सकते है।
3. इस पर हम अपना टाईपिंग कार्य कर सकते हैं।
4. **पहला चरण** – Start पर क्लिक कीजिए।
   दूसरा चरण – All Apps पर क्लिक कीजिए।
   तीसरा चरण – M.S. Office पर क्लिक कीजिए।
   चौथा चरण – M.S. Word पर क्लिक कीजिए।
   यहाँ से आपकी वर्ड की एक फाईल खुल जाएगी इसको आप अपना नाम देकर बना सकते हैं।

पाठ-6 इंटरनेट का परिचय

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (अ) 2. (स) 3. (स)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. Net 2. गाने, फिल्मे
3. ढूँढ़ने (सर्च) 4. डब्लू-डब्लू-डब्लू

(ग) उचित मिलान कीजिए–

1. (य) 2. (द) 3. (अ) 4. (ब) 5. (स)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

1. (i) इंटरनेट से हम गाने व फिल्में डाउनलोड कर सकते है।
   (ii) ई-मेल सुविधा का प्रयोग करके हम अपने संदेश अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों को भेज सकते हैं व प्राप्त कर सकते हैं।
2. वर्ड वाइड वेब (World Wide Web)
3. माइक्रोसॉफ्ट इंटरनेट एक्सप्लोरर, मोजिला फायर फॉक्स।
4. वेबपेज 5. www.joinindinarmy.com

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. इंटरनेट एक ऐसा माध्यम है, जो कंप्यूटर के नेटवर्क को जोड़ता है।

   इंटरनेट कंप्यूटर का विश्व में सबसे बड़ा नेटवर्क है। ये कंप्यूटर संचार व्यवस्था में एक दूसरे से टेलीफोन के तारों, केबिल, या कुछ वायरलैस के द्वारा एक दूसरे से जुड़े रहते हैं। इंटरनेट के माध्यम से विश्व के सभी कंप्यूटर को एक-दूसरे से जोड़ दिया जाता है।

2. यह एक या एक से अधिक Webpages से जुड़ा संग्रह है, जो Hyperlink के सिस्टम के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े होते हैं। वेबसाइट एक किताब के समान होती है, जिसमें अनेक पेज होते हैं।
3. यह एक या एक से अधिक Webpages से जुड़ा संग्रह है, जो Hyperlink के सिस्टम के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े होते हैं। वेबसाइट एक किताब के समान होती है, जिसमें अनेक पेज होते हैं।

❑❑❑

कंप्यूटर-4

पाठ-1 एम० एस० विंडोज 10

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (अ) 3. (स) 4. (अ)
5. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. सॉफ्टवेयर 2. डेक्सटॉप 3. संग्रहीत
4. दोनों 5. आईकन

लिखित प्रश्न

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. (i) विंडोज-10 (ii) विंडोज एक्स पी
2. विंडोज-10 अपने पारदर्शक एवं नीले स्वरूप के कारण अधिक रोचक है। इसमें पूर्ण रूप से नए चित्र, थीम, टाईल्स एवं आईकंस हैं। चित्रों का प्रयोग इसे और रोचक बनाता है।
3. हार्ड डिस्क के जिस क्षेत्र में हम कार्य करते हैं, उसे उसी नाम से सुरक्षित किया जाता है। उसे फाइल कहते हैं।

   अन्य शब्दों में हम कह सकते हैं, कि फाइल एक सूचनाओं का संग्रह है,जो हार्ड डिस्क में संग्रहीत किया जाता है।

   फोल्डर एक ऐसा स्थान है, जहाँ अनेक फाइलें एकत्रित की जाती हैं। एक फोल्डर में एक या एक से अधिक फाइलें संग्रहीत होती हैं। एक फोल्डर में विभिन्न प्रकार की फाइलें भी संग्रहीत हो सकती हैं।
4. जब हमें किसी फोल्डर या फाइल को खोलना होता है, तो सामान्यतः हम माउस पाईंटर को उसी फाइल या फोल्डर पर ले जाते हैं तथा इस पर दो बार क्लिक करते हैं। यह खुल जाती है तथा इसका विषय दिखाई भी देता है।
5. किसी भी फाइल या फोल्डर को नया नाम देने के लिए चरण–

   पहला चरण – जिस फाइल या फोल्डर को आप नया नाम देना चाहते हैं, उसे चुनिए।

   दूसरा चरण – माउस बटन पर दायीं ओर क्लिक करें तथा को चुनें। अब वह नाम टाईप करें जो आप फाइल/फोल्डर को देना चाहते हो।

   तीसरा चरण – एन्टर कुँजी को दबाएँ। आप फ्रेम में अपनी फाइल का नया नाम देखेंगे।

पाठ-2 एम० एस० वर्ड में एडिटिंग

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (अ) 2. (अ) 3. (अ) 4. (अ) 5. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. एलाइनमेन्ट 2. डबल 3. Cut, Paste
4. एडिटिंग 5. पंक्तियों, कॉलम

(ग) सही मिलान कीजिए–

1 (य) 2. (द) 3. (अ) 4. (ब) 5. (स)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. डॉक्यूमेंट में परिवर्तन करना एडिटिंग कहलाता है। एडिटिंग करने के लिए सबसे पहले हमें उसका चयन करना होता है।
2. फॉर्मेटिंग का अर्थ होता है, टैक्स्ट में परिवर्तन करना और टैक्स्ट में परिवर्तन इसको आकर्षक बनाने के लिए किया जाता है।

इसके लिए हम Format Menu या Formatting Tool Bar दोनों का प्रयोग कर सकते हैं।

3. बोल्ड – Ctrl + B, इटेलिक – Ctrl + I, अंडरलाइन- Ctrl + U
4. डॉक्यूमेंट में स्क्रीनशॉट जोड़ने के लिए चरण—

पहला चरण – वर्ड डॉक्यूमेंट व अन्य एप्लीकेशन खोलिए, जिसका आप स्क्रीन शॉट जोड़ना चाहते हैं।

दूसरा चरण – वर्ड डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिए। अब वर्ड डॉक्यूमेंट सक्रिय है।

तीसरा चरण – Illustrations group में Insert tab में Screen shot पर क्लिक कीजिए।

चौथा चरण – गैलरी में उपस्थित विंडों में Thumbnail यह डॉक्यूमेंट में पूरी विंडो को जोड़ देगा।

5. संकेत और विशेष चिह्न टाईपिंग के वे विराम चिह्न हैं, जो एक साधारण की-बोर्ड में नहीं होते।

पाठ-3 टक्स पेंट

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (अ) 2. (अ) 3. (अ) 4. (ब)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. ड्रिप मैजिक 2. टक्स पेंट 3. Edges Effects
4. Real Rainbow Effect 5. Mirror

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. (i) टक्स पेंट एक निःशुल्क सॉफ्टवेयर है।
   (ii) टक्स पेंट एक ड्राईंग यंत्र है, जो इसके बारे में और अधिक जानने में हमारी मदद करता है।
2. यह टक्स पेंट की एक अद्‌भुत विशेषता है। इस टूल के प्रयोग से हम पहले से ही बनाए गए चित्र पर बहुत-से किनारे बना सकते हैं।
3. यह मैजिक सब-टूल ड्राईंग पर छिड़काव के प्रभाव देता है।
4. वेव प्रभाव (Waves Effects) का प्रयोग किसी ड्राईंग के किनारे-किनारे पर लचीलापन देने के लिए किया जाता है। Wavelets effect का प्रयोग किसी चित्र में किनारों-किनारों के साथ-साथ ऊपर-नीचे लचीला देने के लिए करते हैं।
5. **Rainbow Effect** – जैसे– ही हम ड्राईंग क्षेत्र में मैजिक वैंड को खींचते हैं, तो यह हमें इंद्रधनुषी रंगों के चिह्न देता है।

   Real Rainbow – यह एक वास्तविक इंद्रधनुष बनाता है, जिसे हम आकाश में वर्षा के बाद देखते हैं। आइए, अपनी ड्राईंग में हम इन दोनों के प्रभाव को देखते हैं।

पाठ-4 एम० एस० पॉवरपाईंट-2016

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (अ) 3. (ब) 4. (अ)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. इलैक्ट्रॉनिक 2. स्लाइड
3. स्लाइड शो 4. क्रमबद्‌ध समूह

(ग) उचित मिलान कीजिए–

1. (य) 2. (अ) 3. (ब) 4. (द) 5. (स)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. एम.एस-पॉवरपाईंट एक प्रस्तुति सॉफ्टवेयर है, इसका पूरा नाम माइक्रोसॉफ्ट पॉवरपाईंट है। यह भी एम.एस-ऑफिस का एक भाग है। यह मुख्यतः आकर्षक स्लाइड शो प्रजेंटेशन को बनाने में प्रयोग किया जाता है।
2. प्रस्तुति (Presentation) संचार का एक माध्यम है, जो किसी उत्पाद के बारे में अपने विचारों को प्रस्तुत करने के लिए प्रयोग किया जाता है।
3. स्लाइड प्रजेंटेशन का एक समूह है। इसमें शीर्षक, टैक्स्ट, चित्र, वीडियो, तथा ध्वनि एक पेज पर ही होती हैं। इसमें स्लाइड के आकार पर आधारित चार्ट, क्लिप आर्ट, सारणी भी हो सकती है। स्लाइड प्रदर्शन एक स्लाइड पेज को प्रस्तुत करती है।
4. स्लाइड शो में विभिन्न स्लाइडों को एक-एक करके प्रदर्शित किया जाता है। प्रत्येक स्लाइड एक विशेष ध्वनि तथा प्रभाव के साथ दिखाई देती है। यह कंप्यूटर की स्क्रीन पर प्रदर्शित होने वाली एक इलेक्ट्रॉनिक प्रस्तुति है।
5. पावरपॉइंट को शुरू करने के मुख्य चरण निम्न प्रकार है–

पहला चरण – Start बटन पर क्लिक कीजिए।

दूसरा चरण – Microsoft Office बटन पर क्लिक कीजिए।

तीसरा चरण – Power Paint बटन पर क्लिक कीजिए।

पाठ-5 इंटरनेट ब्राउजिंग

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (अ) 2. (ब) 3. (ब) 4. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. बहुत बड़ा 2. वेब पेज 3. होमपेज
4. हाइपरलिंक 5. इंटरनेट

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓)
5. (✓)

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (य) 2. (द) 3. (अ) 4. (ब) 5. (स)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

1. टिम बरनर्स ली
2. (i) www.indianrailway.com
   (ii) www.joinindianarmy.com
   (iii) www.sarkariresult.com
3. (i) www.google.com (ii) www.yahoo.com
   (iii) www.msn.com
4. (i) माइक्रोसॉफ्ट इंटरनेट एक्सप्लोरर,
   (ii) मोजिला फायर फॉक्स (iii) नेटस्केप नेवीगेटर।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. इंटरनेट का अर्थ है, इंटरनेशनल नेटवर्क। इसकी अनेक विशेषताएँ हैं, लेकिन यह संचार व्यवस्था में और सूचनाओं को खोजने के अनंत साधनों के रूप प्रयोग होता है। यह एक ऐसी बड़ी लाइब्रेरी है, जो हमें विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ उपलब्ध कराती है।
2. वेबसाइट एक या एक से अधिक वेबपेज का एक समूह है, जो अनेक वस्तुओं; जैसे—व्यक्ति, व्यापार, संगठन, शिक्षा तथा खेल संस्थाओं के बारे में सूचनाएँ प्रदान करता है। वेबसाइट एक मैगजीन (पत्रिका) के समान होती है, जिसमें अनेक पेज होते हैं।
3. वेबपेज एक वर्ल्ड-वाइड-वेब पर सूचना का एक पेज है। यह वेबसाइट का एक भाग है। यह कंप्यूटर पर एक इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म के रूप में संग्रहीत होता है, जो हमें इंटरनेट से जोड़ता है। वेबब्राउसर एक एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर है, जो वेबपेजों की स्थिति को दर्शाने में प्रयोग होता है।
4. सभी वेबपेज तथा वेबसाइट शक्तिशाली कंप्यूटर पर संग्रहीत होती हैं, जिन्हें सर्वर कहते हैं।
5. इंटरनेट पर प्रत्येक वेबसाइट का एक पता होता है। इसी प्रकार यूनीफॉर्म रिसॉर्स लोकेटर इंटरनेट पर एक पता होता है। यू०आर०एल की कुछ वेबसाइट इस प्रकार हैं, http : //internet kids. com, http://khoj.com.http://discovery com.

पाठ-6 मल्टीमीडिया का परिचय

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (अ) 3. (अ) 4. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. आकर्षक 2. मल्टीमीडिया
3. प्रोग्राम 4. एप्लीकेशन

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓)

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (य) 2. (द) 3. (अ) 4. (ब) 5. (स)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

1. (i) नॉलेज एडवेंचर (ii) एनासाइक्लोपीडिया ब्रिटानिक।
2. (i) मानव शरीर (ii) माइक्रोसॉफ्ट एनकार्टा।
3. मल्टीमीडिया सॉफ्टवेयर।
4. Windows Media Player

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. मल्टीमीडिया एक ऐसा एप्लीकेशन है, जिसमें टैक्स्ट, ध्वनि, वीडियो, एनीमेशन तथा ग्राफिक्स इत्यादि सभी एक समूह में होते हैं।
2. (i) स्पीकर्स (ii) साउंड कार्ड
   (iii) जॉयस्टिक (iv) माईक आदि
3. एक मल्टीमीडिया कंप्यूटर ध्वनि, संगीत, सुनने, वीडियो तथा ग्राफिक्स आदि दिखाने में सक्षम होता है।
4. ये सॉफ्टवेयर सी०डी० रोम की मदद से कंप्यूटर पर छात्रों को विभिन्न विषयों को पढ़ाने के लिए प्रयोग किए जाते हैं। बाजार में अनेक शिक्षा के सॉफ्टवेयर जो सी०डी० रोम पर उपलब्ध हैं। इस प्रकार के सॉफ्टवेयर का सबसे अच्छा उदाहरण नॉलेज एडवेंचर है।
   शैक्षिक सी०डी० रोम के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं—
   (i) मानव शरीर (ii) माइक्रोसॉफ्ट एनकार्टा
   (iii) जम्ब एहेड डिस्कवरी ट्री

□□□

कंप्यूटर-5

पाठ-1 कंप्यूटर की आंतरिक क्रियाएँ

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (अ) 3. (स) 4. (ब) 5. (अ)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. हार्डवेयर 2. सॉफ्टवेयर 3. पाँच
4. सी०पी०यू० 5.

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓)
5. (✓) 6. (✓)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

1. यह कंप्यूटर के भागों को नियंत्रित करता है, और इससे जुड़े अन्य भागों को नियंत्रित करता है। सी०पी०यू० मैमोरी से निर्देशों को प्राप्त करता है, उन्हें पढ़कर कंप्यूटर में उचित स्थान पर भेजता है।
2. सी०पी०यू० कंप्यूटर का मुख्य भाग है। सी०पी०यू० मदरबोर्ड से जुड़ा होता है, जिससे कंप्यूटर के अन्य भाग भी जुड़े होते हैं। इसे ठंडा रखने के लिए इसमें एक पंखा लगा होता है।
3. कंट्रोल यूनिट ए०एल०यू०को डाटा व निर्देश देता है। ए०एल०यू० निर्देशानुसार इन पर कार्य करता है और परिणाम को मैमोरी में भेजता है। कंट्रोल यूनिट ए०एल०यू०को नियंत्रित करता है।
4. यह एक इनपुट डिवाइस है, जिसकी सहायता से संख्याओं, डाटा, मुख्य संकेतों और निर्देशों को दिया जाता है। इसमें कुछ मुख्य कुंजियाँ होती हैं, जिनका प्रयोग किसी मेन्यु को तुरंत खोलने के लिए किया जाता है।
5. यह सबसे अधिक प्रचलित इनपुट एवं सांकेतिक डिवाइस है।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. एक कंप्यूटर सिस्टम के पाँच मुख्य भाग होते हैं—
   (i) सैंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सी०पी०यू०)
   (ii) इनपुट डिवाइसिज (iii) आउटपुट डिवाइसिज
   (iv) सांकेतिक डिवाइसिज (v) मैमोरी
2. सॉफ्टवेयर प्रोग्राम के वे सैट होते हैं, जो कंप्यूटर की आंतरिक प्रक्रियाओं में सहायता करते हैं।
   कुछ आप्रेटिंग एवं एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के नाम इस प्रकार हैं-
   (i) **आप्रेटिंग सॉफ्टवेयर–**एम०एस०डॉस, यूनिक्स, लिनिक्स, विंडोज।
   (ii) **एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर–**वर्ड प्रोसेसर, गेम सॉफ्टवेयर, कॉमार्शिचल, सॉफ्टवेयर मल्टीमीडिया टूल्स आदि।
3. सैंट्रल प्रोसिसिंग यूनिट या सी०पी०यू० के दो भाग होते हैं– एरिथामैटिक एवं लॉजिकल यूनिट और कंट्रोल यूनिट।
4. डाटा एवं प्रोग्राम को इनपुट डिवासिज के द्वारा कंप्यूटर में प्रविष्ट कराया जाता है। जिस भाषा में हम कंप्यूटर को निर्देश देते हैं, इनपुट डिवाइस उन्हें ऐसी भाषा में बदल देते हैं, जो भाषा कंप्यूटर समझता है। की-बोर्ड, माउस, जॉयस्टिक, लाईटपेन, स्कैनर, कार्ड रीडर, माइक्रोफोन अधिकतर प्रयोग होने वाली इनपुट डिवाइस हैं।
   विश्लेषण के बाद डाटा एक सॉफ्टवेयर की सहायता से उपयोगी परिणाम में परिवर्तित हो जाता है। यह परिणाम कुछ डिवाइसों द्वारा हमें दिखाया जाता है, जिन्हें आउट-पुट डिवाइस कहते हैं। मॉनिटर, प्रिंटर, प्लॉटर, स्पीकर कुछ मुख्य आउटपुट डिवाइस हैं।
5. इन डिवाइसिज का प्रयोग टैक्स्ट अथवा अन्य वस्तुओं को चुनने के लिए किया जाता है। कंप्यूटर के मॉनिटर की स्क्रीन पर किसी वस्तु को हम सांकेतिक डिवाइसों के द्वारा ही चुनते हैं।
   माउस, लाईट पेन, डिजिटल टेबलेट, जॉयस्टिक, ट्रैक बॉल, सोनिक टेबलेट एवं टच स्क्रीन कुछ मुख्य सांकेतिक डिवाइस हैं।
6. कंप्यूटर में डाटा को ग्रहण करने, विश्लेषित करने, एवं संग्रहीत करने के लिए मैमोरी होती है। मैमोरी दो प्रकार की होती है– प्राथमिक मैमोरी और द्वितीयक मैमोरी। कंप्यूटर में कैश मैमोरी व रजिस्टर भी होते हैं।
7. हार्ड डिस्क, सी०डी०रोम, मैमोरी कार्ड, पैन ड्राइव, इत्यादि कुछ द्वितीयक मैमोरी के उदाहरण हैं।

पाठ-2 कंप्यूटर का विकास

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (अ) 3. (ब) 4. (अ) 5. (अ)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. ऐनिक 2. माइक्रो कंप्यूटर 3. अबेकस
4. यूनीवेक 5. मार्क-1

(ग) उचित मिलान कीजिए–

1. (य) 2. (द) 3. (ब) 4. (अ) 5. (स)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित के पूरे नाम लिखिए–

1. पर्सनल कंप्यूटर
2. इलैक्ट्रानिक न्यूमेरिकल, इन्टीग्रेटिड एवं कैलकूलेटर
3. यूनीवर्सल ऑटोमेटिक कम्प्यूटर

(ङ) निम्नलिखित के आविष्कारकों के नाम लिखिए–

1. टिम क्रेनर 2. चार्ल्स बेबेज
3. जे. प्रेस्पर एकर्ट और जॉन मॉउचले।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए–

1. ऐनिक (ENIAC) का पूरा नाम इलेक्ट्रॉनिक न्युमेरिकल इन्टीग्रेटिड एंड कैलकूलेटर है।
2. यूनीवेक 1 का पूरा नाम यूनीवर्सल ऑटोमेटिक कंप्यूटर है।
3. ऐनिक कम्प्यूटर में।
4. यह माइक्रो कंप्यूटर से बेहतर एवं तीव्र गति से कार्य करने वाला था। इसकी प्रोसेसिंग गति तथा संग्रहण क्षमता अधिक थी।
5. यह आकार में छोटा था और इसकी संग्रहण क्षमता भी कम थी।
6. जो कंप्यूटर आज हम देखते हैं, उसका आरंभ सन् 1982 में हुआ था। इसे पर्सनल (निजी) कंप्यूटर या पी०सी० के नाम से जाना जाता है। ये कंप्यूटर पूर्व के सभी कंप्यूटर से अधिक तीव्र हैं। ये सस्ते तथा आकार में छोटे होते हैं।

   गति, आकार तथा मैमोरी के अनुसार कंप्यूटर मुख्यतः चार प्रकार के होते हैं—

   (i) माइक्रो कंप्यूटर (ii) मिनी कंप्यूटर
   (iii) मेनफ्रेम कंप्यूटर (iv) सुपर कंप्यूटर

पाठ-3 माइक्रोसॉफ्ट विंडोज-10

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (अ) 2. (ब) 3. (अ) 4. (अ) 5. (अ)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. विंडोज-95 2. आपरेटिंग सिस्टम
3. बिल गेट्स 4. चित्रों
5. विंडोज एक्सप्लोरर

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗)

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (य) 2. (द) 3. (स) 4. (ब) 5. (अ)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. विंडोज-10 की विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं–
   - यह तीव्र, सस्ता एवं सुरक्षित है। यह सीखने और प्रयोग करने में आसान है। इसमें मैमोरी व्यवस्थापन उचित है।
   - इसमें Aero Peek विशेषता है, जो हमारी खुली हुई विंडो को Transparent बनाता है, जिसे हम अपनी Desktop पर देखते हैं।
   - हम अपनी विंडो को नई Theme, Slide show व handy gadgets से और भी आकर्षक बना सकते हैं।
   - विंडो 10 में डॉक्यूमेंट, चित्रों, गानों, अथवा वेबसाइटों में Jump list दायीं ओर होती हैं।
   - यह Multiple user के द्वारा Personalized work environment को नियंत्रित करती है।
   - विंडोज-10 में हम (सी०डी०/डी०वी०डी/एम पी०थ्री) संगीत व वीडियों का आनंद लेते हैं।
2. कंप्यूटर को कार्य करने के लिए एक मुख्य सॉफ्टवेयर की आवश्यकता होती है, जिसे ऑपरेटिंग सिस्टम कहते हैं। ऑपरेटिंग सिस्टम एक सिस्टम सॉफ्टवेयर होता है, जो उपभोक्ता और कंप्यूटर के बीच एक मध्यस्थ का कार्य करता है।
3. Windows Explorer एक ऐसा एप्लीकेशन है, जो हमें फाइलों फोल्डरों और ड्राईव की विस्तृत जानकारी देता है। इसे हम फाइलों को व्यवस्थित करने, कॉपी, नया नाम देने और फाइलों और फोल्डरों को ढूँढ़ने के लिए प्रयोग कर सकते हैं।
4. किसी फाईल या फोलडर को एक स्थान से अन्य स्थानों पर भी ले जाने को Coping कहते हैं। इससे हम एक फाईल या फोलडर को अनेक स्थानों पर भी ले सकते है और Moving में हम एक फाइल या फोलडर को केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर ही ले जा सकते हैं।

5. Calendar, Clock, CPU Meter, Currency, Feed Headling, Picure Puzzle, Slide show, Weather, Windows Media ये सभी गैजेट्स कहलाते हैं।

पाठ-4 एम० एस-वर्ड 2016 के बारे मैं और अधिक

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (ब) 3. (अ) 4. (स)
5. (अ)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. क्लिप आर्ट 2. वर्ड आर्ट 3. शैडिंग
4. हैडर, फूटर 5. वर्ड आर्ट टैक्स्ट

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓)
5. (✓)

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (य) 2. (द) 3. (अ) 4. (ब)
5. (स)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

1. बनी बनायी पिक्चर गैलेरी।
2. ड्राइंग टूलबार एम०एस-वर्ड स्क्रीन के दोनों ओर स्थित होता है।
3. (i) Borders (ii) Page Border (iii) Shading
4. एक अण्डाकार आकृति या वृत्त बनाने के लिए।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

1. वर्डआर्ट एक टैक्स्ट को ड्राईंग उद्देश्य एवं विशेष प्रभाव में बदल देता है। वर्डआर्ट की सहायता से हम टैक्स्ट को विभिन्न तरीकों से टाइप कर सकते है। वर्डआर्ट का प्रयोग रंग करने, शैड (परछाई) या टैक्स्ट की रचना में कर सकते हैं।
2. Autoshapes बनी-बनायी आकृतियों का एक समूह है।
3. हैडर एवं फूटर दस्तावेज के प्रत्येक पेज में ऊपर व नीचे का क्षेत्र होता है।
4. ड्राइंग टूलबार एम0एस-वर्ड स्क्रीन के दोनों ओर स्थित होता है। इसमें अनेक आईकन होते हैं, जो चित्रों को जोड़ने एवं उनमें रंग भरने में हमारी मदद करते हैं। इन टूल्स का प्रयोग करके आकृति बनाने को ड्राइंग ऑब्जेक्टस कहा जाता है।
5. वर्डआर्ट को जोड़ने के लिए चरण—

   पहला चरण – Insert Menu पर क्लिक करें।

   दूसरा चरण – Picture विकल्प पर क्लिक करें।

   तीसरा चरण – Word Art विकल्प पर क्लिक करें। 'वर्डआर्ट गैलरी' दिखाई देती है।
6. क्लिप आर्ट को जोड़ने के लिए चरण—

   पहला चरण – Insert Menu पर क्लिक करे।

   दूसरा चरण – Picture विकल्प पर क्लिक करे।

   तीसरा चरण – 'Search For' बॉक्स में क्लिप का नाम टाइप करें। अनेक चित्र दिखाई देते हैं।

   चौथा चरण – Insert विकल्प पर क्लिक करें।

पाठ-5 एम० एस० पॉवरपाईंट-2016 और अधिक

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (स) 3. (अ) 4. (स)
5. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. स्लाइडो
2. view tab में presentation view
3. इंक इक्वेशन 4. Slide sorter 5. फोटो एलबम

लिखित प्रश्न

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. Slide Sow View का प्रयोग हम जब करते हैं, जब हम अपनी Presentation को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करते हैं। यह एक फोटो एलबम में फोटो की तरह होती है, जिसमें Prenentation की सभी स्लाइडों को एक-एक करके पूरी Screen पर दिखाया जाता है।
2. (i) प्रस्तुति (Presentation) संचार का एक माध्यम है, जो किसी उत्पाद के बारे में प्रस्तुत करने के लिए प्रयोग किया जाता है। तथा स्लाइड, प्रस्तुति का एक भाग है। इसमें शीर्षक, टैक्स्ट, चित्र, वीडियों तथा ध्वनि एक पेज पर ही होते हैं।

   (ii) Normal व्यू में हम स्लाइडों में टैक्स्ट, ग्राफिक्स, ध्वनि, एनिमेशन एवं अन्य प्रभाव को जोड़ सकते हैं। इसके तीन भाग होते हैं। हम Thumbnails में अपनी Slides को बड़ा करके देख सकते हैं।

Outline View हमारी स्लाइड के केवल टैक्स्ट को प्रदर्शित करता है। इस व्यू में हम अपनी स्लाइड के टैक्स्ट को तुरंत Edit कर सकते हैं और अपनी सभी स्लाइडों की विषय सूची को देख सकते हैं।

3. कमेंट्स अपनी Presentation की पुष्टि करने का अन्य तरीका है। इसका प्रयोग हम अपनी Presentation में कार्य करने में सहयोग के लिए कर सकते हैं। हम किसी भी ऑब्जेक्ट, टैक्स्ट अथवा पूरी स्लाइड में अन्य Notes को जोड़ सकते हैं। किसी भी स्लाइड में कमेंट्स को किसी भी समय ऑन या ऑफ किया जा सकता है।
4. फोटो एलबम एक ऐसी विशेषता है, जिसके द्वारा हम अपने निजी एवं व्यापारिक फोटो को एक साथ प्रस्तुति में प्रयुक्त कर सकते हैं।
5. यह एक नई विशेषता है, जिसके द्वारा हम प्रजेंटेशन में गणित की समीकरण को जोड़ सकते हैं। यदि हमारे System से कोई Touch -enabled device जुड़ी हुई है, तो हम गणित की समीकरण को टाईप कर सकते हैं, और PowerPoint उसे Text में बदल देगा। यद्यपि यदि हमारे पास कोई Touch device नहीं है, तो भी हम माउस की सहायता से समीकरण को टाईप कर सकते हैं।

पाठ-6 इंटरनेट : ई-मेल के बारे में और अधिक

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (अ) 2. (अ) 3. (स) 4. (ब)
5. (ब)

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. पेड 2. इन्टरनेट
3. निःशुल्क, युनिक (आश्चर्यजनक)
4. इनबॉक्स 5. ई-मेल

(ग) सही कथन पर (✓) व गलत पर (✗) लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓)
5. (✓)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

1. इंटरनेट
2. (i) मोजिला फायर फॉक्स (ii) नेटस्केप नेवीगेटर।
3. इनबॉक्स में
4. (i) हम कोई भी सूचना प्राप्त कर सकते हैं।
   (ii) चित्रों अथवा गानों को डाउनलोड कर सकते हैं।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. इलैक्ट्रॉनिक मेल को ई-मेल भी कहते है। यह हमारे डॉक्यूमेंट की सरल कॉपी है, जो टेलीफोन लाइनों तथा अन्य उपकरणों के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजी जा सकती है, तथा पूरे विश्व में किसी भी स्थान पर भेजी जा सकती है।
   ई-मेल संचार का सबसे तीव्र साधन है। हम एक लोकल कॉल के मूल्य में अपने पत्रों को विभिन्न स्थानों पर विश्व में कही भी भेज सकते हैं।
2. ई-मेल आईडी हमारे डाक के पते के समान होती है। हम अपने ई-मेल पते से ई-मेल भेज सकते हैं, तथा अपने ई-मेल अकाउंट में संग्रहीत भी कर सकते हैं।
3. ई-मेल आईडी के दो लाभ इस प्रकार हैं-
   (i) सुरक्षित संदेश भेज व प्राप्त कर सकते हैं।
   (ii) शीघ्र ही हम दूर के रिश्तेदारों और मित्रों को संदेश भेज सकते हैं।
4. इंटरनेट पर ई-मेल सेवाओं का प्रयोग करने वाले उपभोक्ता का ई-मेल पता बिल्कुल भिन्न होता है। इसमें तीन भाग होते हैं।
5. **पहला चरण** – किसी '(Web browser)' को खोलें उदाहरण के लिए
   Microsoft Internet Explorer को खोलें।
   दूसरा चरण – वेबसाइट www.gmail.com को खोलें।
   तीसरा चरण – Google के शीर्ष को देखें यहाँ पर एक विकल्प gmail होता है। इस पर क्लिक करें।
   चौथा चरण – (Create An Account) को देखें तथा उस पर क्लिक करें।
6. प्रत्येक कंप्यूटर का इंटरनेट पर अपना एक मुख्य पता होता है जिसे 'डूमेन नाम' कहते हैं और जो इंटरनेट को प्रयोग करता है उसे उपभोक्ता कहते हैं।

❑❑❑

OR

कंप्यूटर

अध्यापकों के लिए कंप्यूटर शृंखला के
सभी प्रश्नों के उत्तर सहित

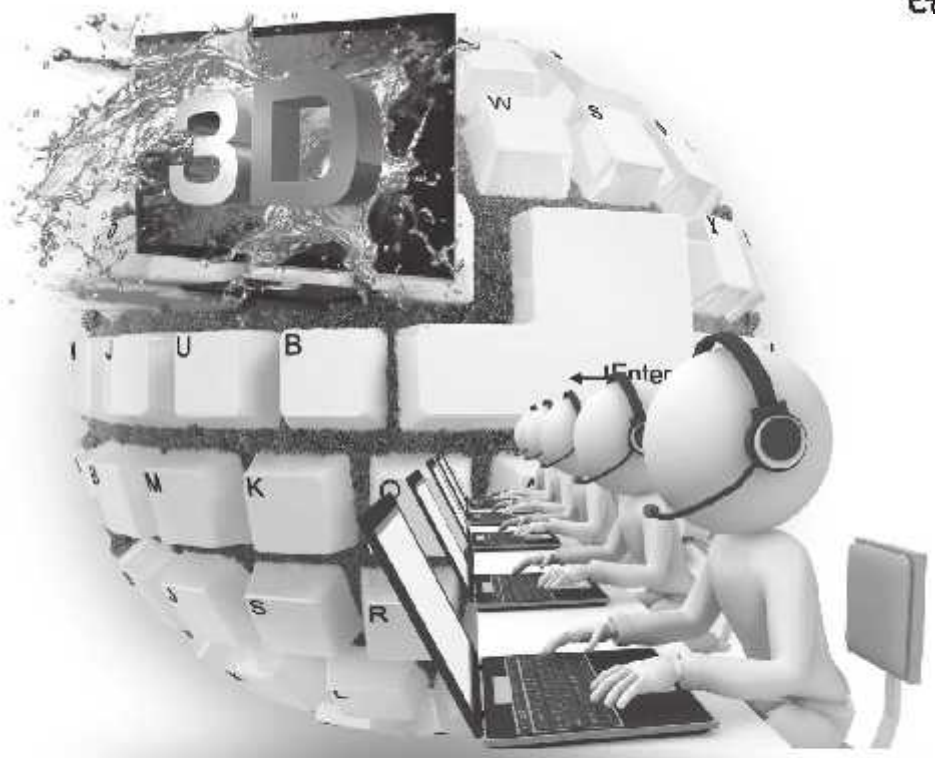

भाग
6 से 8

कंप्यूटर-6

पाठ-1 इनपुट और आउटपुट डिवाइसिज

क्रियात्मक कार्य

मॉनिटर

रैम

प्रिंटर

माउस

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (स) 3. (ब) 4. (ब)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. इनपुट 2. रैम, रोम
3. कंप्यूटर 4. बार कोड रीडर
5. मैमोरी युनिट, कंट्रोल यूनिट, ए०एल०यू०

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. सत्य
5. सत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (ब) 2. (स) 3. (द) 4. (अ)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. हार्डवेयर कंप्यूटर के इलैक्ट्रॉनिक भाग होते हैं। की-बोर्ड, माउस, मॉनिटर आदि हार्डवेयर के उदाहरण हैं।
2. कुछ मुख्य इनपुट डिवाइस इस प्रकार हैं—
   की-बोर्ड, माउस, बार-कोड, स्कैनर, जॉयस्टिक, माइक्रोफोन, पंचकार्ड रीडर, कॉम्पैक्ट डिस्क और जिप ड्राइवर, डिजिटल कैमरा
3. मॉनिटर, प्रिंटर एवं स्पीकर इत्यादि कुछ मख्य आउटपुट डिवाइसिज हैं।
4. स्कैनर के द्वारा हम किसी भी दस्तावेज को फोटो के रूप में कंप्यूटर में इनपुट कर सकते हैं और डिजीटल कैमरे के द्वारा हम चित्रों को कंप्यूटर द्वारा कॉपी करने व उसे कागज पर प्रिंट कर सकते हैं।
5. डाटा संग्रहण की कुछ मुख्य युक्तियाँ हार्डडिस्क व डी०वी०डी० हैं।
6. **रैम (RAM)**–इसका पूरा नाम रैंडम ऐक्सेस मैमोरी (Random Access Memory) है। रैम में सक्रिय आँकड़ों को रखा जाता है। यह एक परिवर्तनशील अथवा अस्थायी (Volatile) मैमोरी है। इसमें डाटा तभी तक संग्रहीत होता है, जब तक कंप्यूटर ऑन (ON) है। यदि विद्युत आपूर्ति बंद हो जाए और कंप्यूटर बंद (Off) हो जाए, तो इसमें संग्रहीत सभी डाटा नष्ट हो जाता है। इसमें डाटा को पढ़ा या लिखा जा सकता है। इसलिए इसे रीड/राइट मैमोरी भी कहा जाता है।

पाठ-2 सॉफ्टवेयर

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (ब) 3. (स)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. सॉफ्टवेयर 2. ऑपरेटिंग सिस्टम
3. युटिलिटी 4. ग्राफिकल सॉफ्टवेयर
5. प्रजेंटेशन सॉफ्टवेयर

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. असत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (स) 2. (द) 3. (य) 4. (अ)
5. (ब)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

1. हार्डवेयर को कार्य करने के लिए सॉफ्टवेयर एक लिखा गया प्रोग्राम है।
2. कोरल ड्रॉ 3. एम०एस० एक्सेस

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. मुख्य प्रकार के सॉफ्टवेयर हैं—
   सिस्टम सॉफ्टवेयर – ऑपरेटिंग सिस्टम, लैंग्वेज प्रोसेसर, युटिलिटी प्रोग्राम।
   एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर – वर्ड प्रोसेसर, स्प्रैडशीट पैकेज, ग्राफिकल सॉफ्टवेयर, एनीमेशन सॉफ्टवेयर, प्रजेंटेशन सॉफ्टवेयर, डेस्कटॉप पब्लिशिंग, डाटाबेस सॉफ्टवेयर, संचार सॉफ्टवेयर।
2. वर्ड प्रोसेसर ऐसे प्रोग्राम होते हैं, जो टैक्स्ट को एडिट, फॉर्मेट, सैट, संग्रहीत और प्रिंट करने के लिए प्रयोग किए जाते हैं।

3. **एनीमेशन सॉफ्टवेयर**–इनका प्रयोग कार्टून चित्रों, ध्वनि, संगीत और वीडियो को बनाने के लिए किया जाता है।

पाठ-3 कंप्यूटर की भाषाएँ

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (स) 3. (अ) 4. (अ)
5. कंपाइलर

(ख) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य
5. असत्य

(ग) रिक्त स्थान भरिए–

1. असेंबली 2. उच्च 3. मशीनी
4. जावा 5. लोगों

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. (i) निर्देशों को साधारण अंग्रेजी भाषा में लिखा गया है।
   (ii) हार्डवेयर का ज्ञान व बाइनरी एरिथमैटिक का ज्ञान आवश्यक नहीं है।
2. स्मरणीय संकेत व चिह्नों का इस भाषा में प्रयोग किया जाता है। यह साधारतया व्यस्त प्रक्रियाओं को लिखने में सहायक होता है। सामान्यतः एसेंबली भाषा के प्रोग्राम मॉड्यूल में लिखे गए हैं, और उन्हें अंतिम क्रियान्वयन के लिए एक साथ रखा गया है।
3. केवल यही ऐसी भाषा है, जिसे कंप्यूटर समझ सकता है।
4. कंपाइलर असेंबलर से अधिक जटिल सॉफ्टवेयर है। यह उच्च-स्तरीय भाषा के साथ-साथ उच्च-स्तरीय भाषा के प्रोग्रामों को मशीनी भाषा में बदलता है। कंप्यूटर सभी प्रग्रोमों को एक संपूर्ण प्रोग्राम में बदलता है।
5. उच्च स्तरीय भाषा का।
6. फोरट्रॉन को जॉन बेकर्स ने विकसित किया था।
7. कोबोल का पूरा नाम कॉमन बिजनेस ऑरिएंटिड लैंग्वेज है।

पाठ-4 एम० एस० वर्ड 2016 में टेबल बनाना

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (अ) 3. (ब) 4. (अ)
5. (ब)

(ख) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य
5. सत्य

(ग) उचित मिलान कीजिए–

1. (ब) 2. (अ) 3. (द) 4. (य)
5. (स)

(घ) रिक्त स्थान भरिए–

1. टेबल 2. 3. कॉलम
4. सेल (Cell) 5. पंक्ति (Row)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तालिका डाटा को पंक्तियों व खानों में संक्षिप्त रूप से व्यवस्थित करने का एक रोचक व आसान तरीका है। वर्ड में कई तरीकों से तालिका बना सकते हैं।
2. दो या दो से अधिक Cells को एक पंक्ति या कॉलम में व्यवस्थित करना Merging कहलाता है। हम Merge हुई Cells को एक Cell में भी व्यवस्थित कर सकते हैं।
3. अपनी टेबल को स्पष्ट और आकर्षित बनाने के लिए Border और Shading आवश्यक है।
4. एक Cell को बहुत-सी Cells में तोड़ना Splitting कहलाता है। यह Cells को Merge करने के बिल्कुल विपरीत प्रक्रिया है। हम एक Cell को विभिन्न Cells एवं Row में Split कर सकते हैं।
5. **पहला चरण** – उस स्थान पर क्लिक कीजिए जहाँ पर आप नई पंक्ति को जोड़ना चाहते हैं। यहाँ पर कर्सर को अंतिम पंक्ति पर दिखाया गया है।
   दूसरा चरण – Table मेन्यू से Insert पर क्लिक कीजिए।
   तीसरा चरण – उप-मेन्यू में Rows Above पर क्लिक कीजिए। यह स्वतः ही ऊपर एक पंक्ति को जोड़ देगा।
6. जब हम Table पर Click करते हैं, तो हम बाएँ कोने पर एक प्लस (+) का चिह्न देखते हैं। इसे Table Move Handle कहते हैं। Table को Move करने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए—
   पहला चरण – माउस पाईंटर को वहाँ पर रखें जहाँ पर Table Handle प्लस (+) का चिह्न बनाता है।

पाठ-5 एम० एस० पॉवरपाईंट 2016

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (अ) 2. (ब) 3. (अ)

(ख) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य
5. सत्य

(ग) रिक्त स्थान भरिए–

1. तालिका 2. chart 3. Alignment
4. Text cell 5. डाटाशीट

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तालिका को जोड़ने के लिए चरण–

   पहला चरण – Home Tab में New Slide drop down arrow पर क्लिक कीजिए Title और Content Layout और को चुनिए।

   दूसरा चरण – Insert Table Icon को चुनिए। Insert Table डायलॉग बॉक्स खुल जाएगा।

   तीसरा चरण – कॉलम व पंक्तियों की संख्या निर्धारित करके OK पर क्लिक कीजिए।

2. Rows/Columns/Cell को चुनिए → Borders पर क्लिक कीजिए → Design Tab में Table Style Group पर क्लिक कीजिए → Drop Down Menu में All Borders विकल्प पर क्लिक कीजिए।
3. Layout Tab में छः Alignment Tab – Align Text Left, Align Text Right, Alight Top, Centre Vertically एवं Align Bottom होते हैं।
4. Table को चुनिए → Design Tab पर क्लिक कीजिए → Rows अथवा Columns को चुनिए → Table Style Group से Shading Option → Color का चयन कीजिए।
5. चार्ट डाटा को ग्राफ व चित्रात्मक रूप में प्रस्तुत करने का सबसे प्रभावशाली तरीका है। जब चार्ट को जोड़ा जाता है, तो डाटा एक मुख्य विंडो में प्रदर्शित होता है, जिसे डाटाशीट कहते हैं। डाटा में परिवर्तन करने के साथ चार्ट में स्वतः ही परिवर्तन हो जाता है।

पाठ-6 माइक्रोसॉफ्ट एक्सल 2016

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (अ) 3. (अ) 4. (अ)
5. (अ) 6. (स)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. एम० एस० ऑफिस 2. फॉर्मूला
3. Row heading 4. Locked, Hidden
5. File, क्लोस 6. File मून्यू में Print कमांड

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. सत्य
5. सत्य 6. असत्य 7. सत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (स) 2. (द) 3. (य) 4. (ब)
5. (अ)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

1. Excel की फाइलों को वर्कबुक कहते हैं। वर्कबुक एक से अधिक वर्कशीट का समूह होती है।
2. उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार अनेक सॉफ्टवेयर पैकेज बनाए गए हैं। ऐसा ही एक सॉफ्टवेयर पैकेज जो निर्णयों को लेने में सहायक होता है, वह है स्प्रैडशीट।
3. सेल एक आयताकार बॉक्स होता है, जो एक पंक्ति तथा एक कॉलम के प्रतिच्छेदन से बनता है। एक सेल में डबल वैल्यू तथा फॉर्मूले को प्रविष्ट किया जा सकता है।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. यह एक एप्लीकेशन प्रोग्राम है, जिसे Analysis, planning तथा modelling के लिए प्रयोग किया जाता है। पुराने टूल्स, जैसे- कागज की वर्कशीट, पेंसिल तथा कैलकुलेटर के स्थान पर आजकल इलैक्ट्रॉनिक वर्कशीट का प्रयोग किया जाता है। यह एक ऐसी वर्कशीट होती है, जिसमें Rows तथा Columns होते हैं। इस वर्कशीट की सबसे छोटी इकाई को Cell कहते हैं। एक Cell में लेबल, वैल्यू तथा फॉर्मूला प्रविष्ट किया जा सकता है।

2. Excle की फाइलों को वर्कबुक कहते हैं। वर्कबुक एक से अधिक वर्कशीट का समूह होता है; जैसे एक नोट-बुक एक से अधिक शीटों से बनी होती है, उसी प्रकार एक वर्कबुक एक से अधिक वर्कशीट से बनी होती हैं।

3. (i) प्रिंट एरिया निर्धारित करना (Setting the Print Area)

Print Area सैट करने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए-

(ii) वर्कशीट को प्रिंट करना (Printing the Worksheet)

पहला चरण– File मेन्यू में Print कमांड पर क्लिक कीजिए।

दूसरा चरण – Print डायलॉग बॉक्स में निम्नलिखित विकल्पों को चुनिए।

(अ) **Entire Workbook** : यदि आप पूरी वर्कबुक का प्रिंट निकालना चाहते हैं, तो इस विकल्प पर क्लिक करें।

(ब) **Active Sheet (s)** : यदि आप सक्रिय वर्कशीट को प्रिंट करना चाहते हैं, तो इस विकल्प पर क्लिक करें।

(स) **Selection** : इसको तब ही क्लिक करें, जब आप केवल चुन गए क्षेत्र को प्रिंट करना चाहते हैं।

4. यह एक बना-बनाया टेबल फॉर्मेट है, जिसको शीघ्रता से चुनकर Cell range पर एप्लाई किया जा सकता है। Number, Alignment, Font, Pattern, Color, Border, Row Height, Column Width ये सभी Autoformat के अंतर्गत आते हैं।

Autoformat को लागू करने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए–

पहला चरण – इच्छित Cell range को चुनिए।

दूसरा चरण – Format मेन्यू में Autoformat विकल्प पर क्लिक कीजिए।

तीसरा चरण– Autoformat डायलॉग बॉक्स में से किसी एक Autoformat को चुनिए।

चौथा चरण – OK बटन पर क्लिक कीजिए।

5. बॉर्डर बनाने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए—

पहला चरण – जिन Cells के चारों ओर बॉर्डर बनाना चाहते हो, उन्हें चुनिए।

दूसरा चरण – Format मेन्यू में Cell विकल्प पर क्लिक कीजिए।

तीसरा चरण– Format cells डायलॉग बॉक्स में Border टैब पर क्लिक कीजिए।

चौथा चरण – अपनी इच्छा के अनुसार बॉर्डर का चयन करके OK बटन पर क्लिक कीजिए।

6. एक रिक्त पंक्ति को जोड़ना (Inserting a Blank Row)–

पहला चरण – Cell पॉईंटर को उस Row पर रखिए, जिसके ऊपर आप एक रिक्त Row को जोड़ना चाहते हों।

दूसरा चरण – Insert मेन्यू में Row विकल्प पर क्लिक कीजिए।

तीसरा चरण– ऐसा करने पर एक रिक्त Row जुड़ जाएगी।

एक रिक्त कॉलम को जोड़ना (Inserting a Blank Column)–

पहला चरण– Cell पॉईंटर को उस कॉलम पर रखिए जिसके बाईं ओर आप एक नया कॉलम जोड़ना चाहते हैं।

दूसरा चरण – Insert मेन्यू में Columns विकल्प पर क्लिक कीजिए।

तीसरा चरण– ऐसा करने पर एक नया रिक्त कॉलम जुड़ जाएगा।

पाठ-7 इंटरनेट व ई-मेल

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (अ) 2. (ब) 3. (स) 4. (अ)
5. (ब) 6. (ब)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. इंटरनेट 2. स्थायी रूप से
3. वर्ल्ड वाइड वैब 4. ई-मेल
5. संदेश भेजना, प्राप्त करना 6. ई-मेल के इनबॉक्स

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. सत्य
5. असत्य 6. असत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (स) 2. (द) 3. (य) 4. (अ)
5. (ब)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

1. Blind Carbon Copy
2. यह हमारी Mail को बनाने में सहायता करता है। इसमें अनेक टैक्स्ट बॉक्स होते हैं; जैसे–To, CC, Subject आदि।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. आधुनिक जीवन में इंटरनेट तीव्रतम और विश्वसनीय संचार का साधन है।

   इंटरनेट नाम के अनुसार यह संपूर्ण विश्व में फैले लाखों कंप्यूटरों का नेटवर्क है। यह कंप्यूटर नेटवर्क के लिए अत्यधिक उपयोगी है। यह नेटवर्कों का नेटवर्क है, जिसमें अन्य कंप्यूटर का व्यक्ति किसी अन्य कंप्यूटर से जानकारी प्राप्त कर सकता है तथा अन्य कंप्यूटरों के व्यक्तियों से तुरंत विभिन्न प्रकार से वार्तालाप कर सकता है।

   इंटरनेट पर कई प्रकार की साइटें होती हैं, जिन पर विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ होती हैं। ये सभी जानकारियाँ उपभोक्ता के लिए होती हैं।
2. Dial-up Connection में हम स्थायी रूप से इंटरनेट से नहीं जुड़े रहते। हम अपने कंप्यूटर को ISP से जोड़ते हैं, जो इंटरनेट से जुड़ा होता है।

   ब्रॉडबैंड (Broad Bond) कनेक्शन हमें दिन के 24 घंटे इंटरनेट सेवा प्रदान करता है, और वह भी अत्यंत तीव्र गति पर। यह Dial-up-connection से 10-20 गुणा अधिक तेज होता है। यह सदैव प्रारम्भ रहता है।
3. जुड़े हुए वेबपेजों का एक संग्रह।
4. Logout का अर्थ होता है- बाहर निकलना। अर्थात् जब हमारा ई-मेल का कार्य समाप्त हो जाती है तब हम ई-मेल को बंद करते है। ई-मेल को बन्द करने के लिए Logout पर क्लिक किया जाता है।
5. वे सभी ई-मेल जिन्हें हम प्राप्त करते हैं, हमारे Inbox में आ जाती हैं। जब हम Inbox folder पर जाएँगे तो हम प्राप्त की गई ई-मेल देखेंगे।

   हम देखेंगे-
   - भेजने वाले का ई-मेल Address।
   - संदेश की Subject पंक्ति।
   - मेसेज भेजने की तिथि।
   - ई-मेल का आकार (Bytes में)।

   अपठित ई-मेल के सामने एक बंद लिफाफे का चिह्न बना हुआ होगा। भेजने वाले के नाम पर क्लिक कीजिए, वह ई-मेल खुल जाएगा।

पाठ-8 टक्स पेंट में और अधिक

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (अ) 3. (ब)

(ख) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य
4. सत्य 5. सत्य

(ग) रिक्त स्थान भरिए–

1. Emboss 2. Quit 3. Story board
4. चित्रों 5.

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. स्टोरीबोर्ड चित्रों की एक ऐसी श्रृंखला है, जो कहानी की घटनाओं को दर्शाती है। यह बिल्कुल एक कॉमिक बुक ही तरह होती है, जो पात्रों की प्रतिक्रियाओं और संवादों को दर्शाती है। यह जीवन की घटनाओं को दर्शाती है, कि कोई वस्तु कैसी दिखेगी, कहानी में आगे क्या होगा और क्या कार्य होगा।
2. Slide Show चुने गए चित्रों की एक ऐसी श्रृंखला है, जो स्क्रीन पर एक-एक करके प्रदर्शित होती है। Tux Paint में Slide Show देखने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए—

   पहला चरण– Open Tool पर क्लिक कीजिए। यह Save किए चित्रों को Thumbnails में दिखाएगा। Slide Option पर क्लिक कीजिए। उन चित्रों को चुनिए जिन्हें एक-एक करके आप स्क्रीन पर देखना चाहते हैं।

   दूसरा चरण – प्रत्येक चित्र, जिसका आपने चयन किया है, उस पर एक संख्या अंकित होगी। यह वह क्रम है, जिसमें चित्र Slide Show में प्रदर्शित होगा।

तीसरा चरण –आप साधारण रूप से चित्रों पर क्लिक करके उन्हें चुन व रद्द कर सकते हैं। वह चित्र Slide Show से हट जाएगा और बाकी के चित्र उचित क्रम में क्रमागत हो जाएँगे।

चौथा चरण– Play बटन से आगे Screen के दोनों कोनों पर स्थित Sliding Scale पर क्लिक करके Slide Show की गति को सही कीजिए।

Sliding Scale के बाएँ कोने में स्थित बटन पर क्लिक करके Speed को घटाएँ। Slide Show को आरंभ करने के लिए Play बटन पर क्लिक कीजिए।

पाँचवाँ चरण – अगली स्लाइड को Manually चलाने के लिए स्पेसबार, एंटर, Right Arrow Key या Next बटन को दबाएँ। चित्र पर वापस जाने के लिए Screen को चुनकर Back बटन पर क्लिक कीजिए।

छठाँ चरण – Slide Show से बाहर आने के लिए Esc Key को दबाएँ।

3. **पहला चरण** – Open टूल को चुनिए।

   दूसरा चरण – स्क्रीन पर सभी Save की गई फाईल प्रदर्शित हो जाएँगी।

   तीसरा चरण – उस Drawing को चुनिए जिसे Tux Paint में से आप रद्द करना चाहते हैं।

   चौथा चरण – स्क्रीन के दायीं ओर स्थित Tux Paint बटन पर क्लिक कीजिए।

   पाँचवाँ चरण– एक बॉक्स प्रदर्शित होगा। जैसा, कि चित्र में दिखाया गया है।

   छठाँ चरण – ड्राईंग को रद्द करने के लिए Yes को चुनिए।

   सातवाँ चरण– चुनी हुई ड्राईंग Tux Paint में से रद्द को जाएगी।

   आठवाँ चरण– यदि आप No बटन को चुनते हैं, तो चुनी हुई डाईंग रद्द नहीं होगी।

4. इस टूल का प्रयोग स्वतंत्र डिजाइन बनाने के लिए किया जाता है। इस टूल की सबसे मुख्य विशेषता यह है, कि जब हम Magic Wand को एक बिंदु पर घुमाते हैं तो यह चारों दिशाओं में बनाता है।

❑❑❑

कंप्यूटर-7

पाठ-1 हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर

क्रियात्मक कार्य

इनपुट

इनपुट

आउट-पुट

आउट-पुट

आउट-पुट

आउट-पुट

प्रोसेसिंग

इनपुट

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (ब) 3. (स) 4. (ब)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. कंप्यूटर, डाटा प्रोसेसिंग 2. देख, छू
3. मॉनिटर, प्रिंटर 4. संग्रहण
5. हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर

(ग) निम्नलिखित कथनों के समाने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (iii) 2. (iv) 3. (ii) 4. (v)
5. (i)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. ब्यौरा कर्मचारी से संबंधित सूचनाओं का ब्यौरा होता है, जैसे–कर्मचारी का नाम, आयु, वेतन, विभाग, इत्यादि।
2. बाईट 8 बिट का समूह होता है। सभी सूचनाएँ पहले से ही बनाए गए बिट की संरचना में संग्रहीत होती हैं, जिसे बिट पैटर्न कहते हैं।
3. **प्राथमिक मैमोरी (Memory Unit)**–इसमें इनपुट को ग्रहण करके डाटा को विश्लेषित करके उसे संग्रहण करने के लिए कुछ मैमोरी होती है।
   मैमोरी दो प्रकार की होती हैं- प्राथमिक और द्वितीयक। कम्प्यूटर में कैश और रजिस्टर मैमोरी भी होती है।
   (i) **प्राथमिक मैमोरी** (Primary Memory)–यह मुख्य मैमोरी भी कहलाती है। यह सेमी-कंडक्टर अथवा चिप पर आधारित होती है। इसमें डाटा को तीव्र गति से संग्रहीत करने की क्षमता होती है। इसे वोलेटाइल मैमोरी भी कहते हैं, उदाहरण- रैम।
   (ii) **द्वितीयक मैमोरी** (Secondary Memory)— द्वितीयक मैमोरी डाटा और फाइलों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने का कार्य करती है। द्वितीय मैमोरी के उपकरण कम्प्यूटर और प्रयोगकर्ता के लिए अधिक उपयोगी होते हैं। मैग्नेटिक टेप, हार्डडिस्क ड्राईव, फ्लॉपी, सी0डी0 रोम इत्यादि द्वितीयक मैमोरी के मुख्य उदाहरण हैं।
4. बाईट का वह समूह जिसमें सूचनाएँ संग्रहीत होती हैं, क्षेत्र कहलाता है।
5. सामान्यतः एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर दो प्रकार के होते हैं–
   (i) सामान्य उद्देश्य के रूप में प्रयोग होने वाले सॉफ्टवेयर
   (ii) एप्लीकेशन डेडीकेट सॉफ्टवेयर

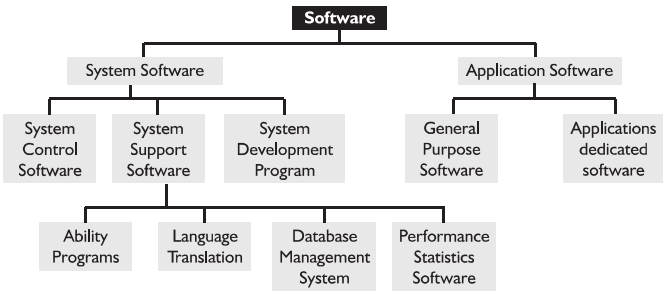

पाठ-2 एम० एस-विंडोज-7

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (स) 3. (अ) 4. (अ)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. फाईल, फोल्डर 2. डॉक्यूमेंट
3. Send to 4. कॉपी

(ग) उचित मिलान कीजिए–

1. (iii) 2. (iv) 3. (v) 4. (ii)
5. (i)

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. एम०एस-विंडोज में सभी फोल्डर फाइलों को देखने का मुख्य प्रोग्राम है। यह फोल्डर को प्रतीकात्मक रूप में देखने का सहज प्रोग्राम है।
2. **Send To :** इस विकल्प का प्रयोग फाईल/फोल्डर को किसी अन्य स्थान अथवा उपकरण में कॉपी करने के लिए किया जाता है।
3. बाएँ पेन में हम ड्राइव अथवा फोल्डर के नाम के सामने एक जोड़ [+] और घटा [–] के चिह्न को देखते हैं। जोड़ का चिह्न फोल्डर में उपस्थित उप-फोल्डर के नाम को दर्शाता है। यदि हम [+] के चिह्न पर क्लिक करते हैं तो यह फोल्डर में उपस्थित उप-फोल्डर को दिखाता है, और तभी [+] का चिह्न [–] में परिवर्तित हो जाता है। इस प्रक्रिया को फोल्डर का विस्तार कहते हैं। यदि हम फोल्डर के सामने [–] चिह्न पर क्लिक करते हैं, तो सभी उप-फोल्डर पुनः मुख्य फोल्डर में सिमट जाते हैं।
4. इस मेन्यु में Cut, Copy, Paste इत्यादि विकल्प होते हैं।
   Cut-Paste : इस विकल्प का प्रयोग किसी भी फाईल/फोल्डर को एक स्थान से दूसरे स्थान पर कॉपी करने के लिए किया जाता है। आप किसी भी फाईल/फोल्डर को Cut करके उसे अन्य स्थान पर Paste कर सकते हैं।
   Copy-Paste : इस विकल्प का प्रयोग किसी भी फाईल/फोल्डर को एक ड्राईव से अन्य ड्राईव में कॉपी और पेस्ट करने के लिए किया जाता है।
5. (i) टूलबार (Toolbars) (ii) थंबनेल (Thumbnails)

(iii) टाईल्स (Tiles) (iv) आईकन (Icons)

(v) लिस्ट (List) (vi) Details

(vii) Favorites Menu

पाठ-3 इंटरनेट

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (स) 3. (स) 4. (अ)
5. (स) 6. (ब)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. असीमित 2. नेटवर्कों
3. चैट, बातें 4. ऑनलाईन, शिक्षक, विद्यार्थी
5. ग्रीटिंग कार्ड

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. असत्य
5. असत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (iii) 2. (iv) 3. (ii) 4. (v)
5. (i)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित में अंतर लिखिए–

1. क्लाइंट का अर्थ है ''सेवाएँ प्राप्त करने वाला।'' कम्प्यूटर नेटवर्क के वे कम्प्यूटर जो सर्वर से सेवाएँ प्राप्त करते हैं, क्लाइंट कहलाते हैं। सर्वर का अर्थ है, ''सेवाएँ प्रदान करने वाला'' कम्प्यूटर नेटवर्क के ऐसे कम्प्यूटर जो अन्य कम्प्यूटरों को कोई-न-कोई सेवा (सर्विस) प्रदान करते हैं, सर्वर कहलाते हैं।
2. वैब-सर्वर वह कम्प्यूटर है, जिसमें संग्रहित (Store) जानकारी एवं डाटा को वैब-पेज के रूप में क्लाइंट कम्प्यूटर पर देखा जा सकता है। वैब ब्राउजर एक ऐप्लीकेशन सॉफ्टवेयर प्रोग्राम है, जो वैब-सर्वर एवं क्लाइंट कम्प्यूटर के बीच एक माध्यम (Interface) का कार्य करता है।
3. वह पेज या दस्तावेज (Document) जिस पर वैब सिस्टम की कोई जानकारी अथवा डाटा को प्रस्तुत किया जाता है, वैबपेज या दस्तावेज कहलाता है। कई वैब पेजों को आपस में लिंक द्वारा जोड़कर वैबसाइट (Website) का निर्माण किया जाता है। वैबसाइट को इंटरनेट साइट भी कहते हैं। एक वैबसाइट पर प्रस्तुत की गई सभी जानकारी आपस में संबंधित होती हैं। प्रत्येक वैबसाइट का एक नाम अथवा पता (Address) होता है। वैबसाइट को ऐक्सेस किया जा सकता है।

(च) निम्नलिखित के पूरे नाम लिखिए–

1. Internet Service Provider
2. Network Access Point
3. Hyper Text Transfer Protocol
4. Uniform Resource Locator
5. World Wide Web
6. Hyper Text Markup Language

(छ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. इंटरनेट विभिन्न प्रकार की सूचनाओं एवं जानकारियों का बहुत बड़ा भंडार है। इस भंडार में दुनिया के सभी क्षेत्रों, संस्थानों, कंपनियों, उद्योगों, विषयों आदि की नवीनतम जानकारी उपलब्ध है। इंटरनेट विभिन्न प्रकार के अनेक नेटवर्कों का ऐसा समूह है, जिसमें सभी नेटवर्क किसी-न-किसी संचार माध्यम से आपस में इस प्रकार जुड़े रहते हैं, कि एक नेटवर्क का कम्प्यूटर दूसरे नेटवर्क के कम्प्यूटर से संपर्क स्थापित कर सकता है, एवं डाटा का आदान-प्रदान कर सकता है।
2. डाटा संचरण के लिए उचित मार्ग का चयन राउटर (Router) द्वारा किया जाता है। इसके मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं—
   (i) यह सुनिश्चित करता है, कि डाटा उपयुक्त रिसीवर (प्राप्तकर्ता) तक पहुँचे।
   (ii) यह सुनिश्चित करता है, कि जिनके लिए डाटा प्रसारित नहीं किया गया है, उन रिसीवर तक डाटा न पहुँचे।
   (iii) दो नेटवर्क को जोड़ना जिससे एक नेटवर्क के डाटा को दूसरे नेटवर्क तक पहुँचाया जा सके।
3. वह पेज या दस्तावेज (Document) जिस पर वैब सिस्टम की कोई जानकारी अथवा डाटा को प्रस्तुत किया जाता है, वैबपेज या दस्तावेज कहलाता है। कई वैब पेजों को आपस में लिंक द्वारा जोड़कर वैबसाइट (Website) का निर्माण किया जाता है। वैबसाइट को इंटरनेट साइट भी कहते हैं। एक वैबसाइट पर प्रस्तुत की गई सभी जानकारी आपस में संबंधित होती हैं। प्रत्येक वैबसाइट का एक नाम अथवा पता (Address) होता है। वैबसाइट को ऐक्सेस किया जा सकता है।

4. सर्च इंजन एक ऐप्लीकेशन प्रोग्राम है। इसका प्रयोग इंटरनेट पर उपलब्ध वैबसाइट एवं वैबपेजों को खोजने के लिए किया जाता है। इसे सूचना खोजी सुविधा (Information Searching Tool) भी कहते हैं। सर्च इंजन की सहायता से आप इंटरनेट से मनचाही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कुछ प्रमुख सर्च इंजन गूगल (Google) ऐल्टाविस्टा (AltaVista), याहू (Yahoo) रेडिफ (Rediff) आदि हैं।
5. ऐसी बहुत-सी वेबसाइट हैं, जो चैट की सुविधा प्रदान करती हैं। Instant Messengers ऐसे मुख्य सॉफ्टवेयर हैं। यदि इनमें से किसी भी वेबसाइट पर हमारा अकांउट है, तो हम उस वेबसाइट पर ऑनलाइन लोगों से बात कर सकते हैं। हम दिए गए बॉक्स में अपनी बात को टाईप करके आसानी से चैट कर सकते हैं।
6. बहुत-से विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों ने आजकल ऑनलाईन शिक्षा पद्धति को अपनाया है। ऑनलाइन शिक्षा में शिक्षक और विद्यार्थी का कक्षा में आमने-सामने रहना आवश्यक नहीं होता।

   ऑनलाइन परीक्षा (Online Exams) : आजकल बहुत-से ऐसे विश्वविद्यालय एवं शिक्षण संस्थान हैं, जो विभिन्न डिग्री कोर्स के लिए ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन करते हैं। कोई भी छात्र इंटरनेट के माध्यम से अपने कम्प्यूटर के सामने इस परीक्षा में भाग ले सकता है।

   ऑनलाइन परिणाम (Online Results) : जैसे हम ऑनलाइन परीक्षा देते हैं, उसी प्रकार हम अपना परीक्षा परिणाम भी ऑनलाइन देख सकते हैं।
7. वेब से किसी चित्र को कॉपी करने के लिए दिए गए चरणों का पालन करें–

   पहला चरण– सर्च इंजन में किसी भी वेबसाइट पर चित्र को खोलिए।

   दूसरा चरण – दायाँ क्लिक करके चित्र का चयन कीजिए।

   तीसरा चरण– जिस फोल्डर में आप चित्र को सुरक्षित करना चाहते हैं, उसका चयन कीजिए।

   चौथा चरण – Save बटन पर क्लिक कीजिए।
8. इंटरनेट पर उपलब्ध चैट (Chat) सुविधा के द्वारा हम बिना समय व्यर्थ करें विश्व में अपने चारों ओर उपस्थित व्यक्तियों बातें अथवा अपने विचारों का एक-दूसरे में आदान-प्रदान कर सकते हैं।

ऐसी बहुत-सी वेबसाइट हैं, जो चैट की सुविधा प्रदान करती हैं। Instant Messengers ऐसे मुख्य सॉफ्टवेयर हैं। यदि इनमें से किसी भी वेबसाइट पर हमारा अकांउट है, तो हम उस वेबसाइट पर ऑनलाइन लोगों से बात कर सकते हैं। हम दिए गए बॉक्स में अपनी बात को टाईप करके आसानी से चैट कर सकते हैं।

पाठ-4 ई-मेल

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (स) 3. (अ) 4. (अ)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. ई-मेल 2. एस०एम० टी० पी०
3. ई-मेल आई० डी०, इंटरनेट
4. ई-मेल, कंप्यूटर से 5. सेकंडों

(ग) निम्नलिखित कथनों के समाने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. सत्य
5. असत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (iii) 2. (iv) 3. (v) 4. (i)
5. (ii)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित में अंतर लिखिए–

1. वह विंडो या स्थान जहाँ पर ई-मेल को टाइप किया जाता है, ई-मेल विंडो कहलाती है। यह विंडो दो भागों में बँटी रहती है।

   (i) हैडर (Header) (ii) बॉडी (Body)

   (i) **हैडर (Header)**

   ई-मेल विंडो के ऊपरी भाग को हैडर कहते हैं। हैडर के निम्नलिखित भाग होते हैं-

   (अ) टू (To) : हैडर के इस भाग में जिस व्यक्ति को ई-मेल भेजना है, उसका ई-मेल एड्रेस लिखा जाता है।

   (ब) बी०सी०सी० (BCC) : बी०सी०सी० का पूरा नाम ब्लाइंड कार्बन कॉपी (Blind Carbon Copy) है। इस विकल्प के द्वारा आप एक साथ एक से अधिक लोगों को एक ही संदेश भेज सकते हैं और किसी भी व्यक्ति को यह पता नहीं चलेगा कि यह संदेश किसी अन्य को भी भेजा गया है।

(स) सी०सी० (CC) : सी०सी० का पूरा नाम कार्बन कॉपी (Carbon Copy) है। इसके द्वारा भी आप एक ही संदेश को एक साथ एक से अधिक व्यक्तियों को भेज सकते हैं। लेकिन प्रत्येक व्यक्ति को दूसरे व्यक्तियों को जिनको संदेश भेजा गया है, पता चल जाता है।

(द) सब्जैक्ट (Subject) : इस विकल्प में आप अपने देश का विषय जिससे वह संबंधित है, बता सकते हैं।

(ii) बॉडी (Body)—हैडर के नीचे वाला भाग जहाँ पर आप ई-मेल को टाइप करते हैं, बॉडी कहलाता है। आपका संदेश संक्षिप्त होना चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की गलती नहीं होनी चाहिए।

2. इंटरनेट द्वारा एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को ई-मेल प्रोग्राम का प्रयोग करके निम्नलिखित तरीके से ई-मेल भेज सकता है—

पहला चरण – सर्वप्रथम अपने ई-मेल प्रोग्राम को खोलें।

दूसरा चरण – नए संदेश (New Message) कमांड का चुनाव करें।

तीसरा चरण – जिस व्यक्ति को ई-मेल भेजना है, उसका ई-मेल ऐड्रेस To: के आगे लिखें।

चौथा चरण – इसके पश्चात् संदेश के विषय को Subject के आगे लिखें।

पाँचवाँ चरण – अब अपने संदेश को मुख्य टैक्स्ट की जगह में लिखें।

छठां चरण – अंत में सेंड (Send) कमांड् बटन पर क्लिक करें और इस प्रकार से कुछ ही सेकंडों में आपका संदेश गंतव्य तक पहुँच जाएगा।

3. ई-मेल प्रोग्राम के साथ अग्रलिखित विकल्प पाए जाते हैं-

संदेश का उत्तर देने के लिए (For Reply Messages)
किसी भी संदेश के उत्तर के साथ मूल संदेश (Original message) भी भेजना चाहिए जिससे पढ़ने वाले को पता लग जाए कि आपने किस संदेश का उत्तर दिया है। उत्तर देने का यह तरीका कोटिंग (Quoting) कहलाता है।

संदेश को दूसरों को भेजना (Forward a Message)
आप किसी भी प्राप्त संदेश को अन्य किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को भेज सकते हैं।

संदेश को संग्रहित रखना (Storing Messages)
आप प्राप्त किए गए संदेशों को भविष्य में पढ़ने के लिए संग्रहित भी कर सकते हैं।

संदेश समाप्त करना (Deleting Messages)
आप अनुपयुक्त संदेश को रद्द भी कर सकते हैं। यदि आप इन बेकार संदेशों को रद्द नहीं करेंगे, तो वे आपके ई-मेल एकाउंट को भर देंगे।

संदेश को प्रिंट करना (Printing Messages)
आप प्राप्त संदेशों को प्रिंट भी कर सकते हैं। यह कार्य फाइल मेन्यू के प्रिंट कमांड द्वारा या प्रिंट बटन पर क्लिक करके किया जा सकता है।

4. सर्वर द्वारा अपने उपभोक्ता को अद्वितीय ई-मेल आईडी (E-mail ID) भी कहते हैं। प्रत्येक ई-मेल ID दो भागों से मिलकर बना होता है। जो निम्न प्रकार हैं-

1. प्रयोगकर्ता नाम (User name)
2. होस्ट नाम (Host Name)

ये दोनों भाग एक विशिष्ट चिह्न (Special Symbol)@(at the rate of) द्वारा जुड़े रहते हैं; जैसे- b.rajvanshi1234@gmail.com, kumar@yahoo.com., prr@hotmail.com
एक मेल सर्वर पर बने हुए सभी ई-मेल ऐड्रेस का होस्ट नाम (Host name) समान होता है। किंतु प्रयोगकर्ता के नाम भिन्न-भिन्न होते हैं। कोई भी व्यक्ति अपना एकाउंट मेल सर्वर को ऐक्सेस करके देख सकता है, एवं प्राप्त ई-मेल को कम्प्यूटर स्क्रीन पर पढ़ सकता है।

5. माइम का पूरा नाम मल्टीपरपज इंटरनेट मेल एक्सटेंशन (Multipurpose Internet Mail Extension) हैं। इसकी सहायता से टैक्स्ट संदेश के अलावा अन्य प्रकार के संदेश, जैसे- ग्राफिक्स, ध्वनि, संदेश आदि भेजे व प्राप्त किए जा सकते हैं।

6. ई-मेल प्रोग्राम द्वारा संदेश भेजे व प्राप्त किए जा सकते हैं। यह प्रोग्राम ई-मेल से संबंधित विभिन्न विकल्प उपलब्ध कराता है। सबसे अधिक प्रयोग होने वाला प्रोग्राम इयोडोरा (Eudora) है। इसके अतिरिक्त Qualomm, Pine, elm & lotus cc:mail भी ई-मेल प्रोग्राम हैं।

7. ई-मेल एक एप्लीकेशन प्रोग्राम है। इसके द्वारा भेजे जाने वाले टैक्स्ट या लेख को विभिन्न रंग, आकार एवं प्रारूप प्रदान किया जा सकता है। ई-मेल में सामान्य टैक्स्ट के साथ कोई दस्तावेज, फाइल या डाटा को संलग्न (attached) करके भेजा जा सकता है। संलग्न डाटा ग्राफिक्स, चलचित्र, ध्वनि आदि के रूप में हो सकता है। ई-मेल प्राप्त करने वाला व्यक्ति प्राप्त ई-मेल के डाटा को प्रिंट एवं सुरक्षित कर सकता है, अथवा किसी अन्य व्यक्ति को भेज सकता है।

   ई-मेल द्वारा किसी दस्तावेज, फाइल, डाटा या संदेश को विश्व में कहीं पर भी कुछ ही सेकंडों में पहुँचाया जा सकता है। ई-मेल प्राप्त करने वाले व्यक्ति को ई-मेल के साथ अन्य जानकारियाँ भी मिलती हैं।

8. ई-मेल सुविधा प्रदान करने वाले इंटरनेट पर बहुत-से मेल सर्वर (Mail Server) हैं। ई-मेल सर्वर ई-मेल भेजने वाले (Sender) एवं प्राप्त करने वाले (Receiver) के मध्य एक मजबूत जोड़ का कार्य करते हैं। ई-मेल प्रयोगकर्ता का ब्यौरा या एकाउंट मेल-सर्वर द्वारा व्यवस्थित रखा जाता है। मेल सर्वर द्वारा अपने प्रत्येक ई-मेल उपभोक्ता को अद्वितीय ई-मेल ऐड्रेस, पासवर्ड एवं कुछ आकार का भंडारण स्थान दिया जाता है।

पाठ-5 वायरस एवं एंटीवायरस

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (ब) 3. (ब) 4. (अ)
5. (स)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. डॉट कॉम, डॉट ई० एक्स० ई० 2. एंटीवायरस
3. फ्रेड कोहन 4. एंटीवायरस

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. असत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (ii) 2. (i) 3. (iv) 4. (iv)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित में अंतर लिखिए–

1. सामान्यतः वायरस दो प्रकार के होते हैं-
   (i) बूट सेक्टर वायरस (Boot Sector Virus)
   (ii) फाइल वायरस (File Virus)
   (i) **बूट सेक्टर वायरस (Boot Sector Virus) :** डिस्क के बूट एरिया में रहता है।
   (ii) **फाइल वायरस (File Virus) :** फाइल वायरस उन फाइलों के साथ रहता है, जो फाइलें मशीनी भाषा में होती हैं।
2. वायरस (Virus) का पूरा नाम (Vital Information Resource Under Size) है।
3. कुछ प्रसिद्ध वायरस इस प्रकार हैं- ट्रोजन हॉर्स, मैलिसा, आई लव यू, रेड एलर्ट, पोली बूट आदि।
4. जब कम्प्यूटर को हम ऑन करते हैं, एंटीवायरस प्रोग्राम स्वतः ही बूट रिकॉर्डस में वायरस की जाँच कर करता है एवं अन्य प्रोग्रामों को जब हम प्रयोग करते हैं तब वायरस की जाँच करता है। हार्ड डिस्क ड्राइव की हर सप्ताह वायरसरोधी से जाँच करनी चाहिए।
5. कुछ वायरसरोधी प्रोग्राम के नाम McAfree, Norton, Smart dog आदि हैं।
6. वायरस में हमेशा अपने कम्प्यूटर को बचाना चाहिए क्योंकि यह कम्प्यूटर में संग्रहीत प्रोग्राम और डाटा को प्रभावित करता है। कुछ सरल तरीके आपके कम्प्यूटर को वायरस से बचा सकते हैं, जो निम्नवत् हैं-
   (i) सैदव प्रोग्राम की मूल प्रति अधिकार प्राप्त (Authorized) विक्रेता से ही खरीदें। कभी भी प्रोग्राम की अवैध प्रति (Illegal Copy) प्रयोग न करें, क्योंकि इस प्रकार से वायरस फैलता है।
   (ii) वायरस का पता लगाने (Scanning) के लिए अपने कम्प्यूटर में एंटीवायरस का नियमित प्रयोग करें। इस प्रकार एंटीवायरस के प्रयोग से आप कम्प्यूटर में वायरस पता लगाने और समाप्त करने में सक्षम होंगे।
   (iii) अन्य किसी व्यक्तियों को अपने कम्प्यूटर में डिस्क लगाने की अनुमति नहीं दें।
   (iv) वायरसरोधी प्रोग्रामों को हमेशा नियमित रूप से आधुनिक (Updated) करते रहना चाहिए।

पाठ-6 माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (अ) 3. (स) 4. (ब)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. कॉलम 2. निर्देशानुसार
3. रेफ्रेंसिंग 4. कस्टम फिल्टर

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (iii) 2. (iv) 3. (v) 4. (ii)
5. (i)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. किसी सूत्र को एक सैल से दूसरी सैल में कॉपी करने की प्रतिक्रिया सैल रेफ्रेंसिंग कहलाती है।
2. एम०एस–एक्सेल में सैल रेफ्रेंसिंग तीन प्रकार की होती है—

   (i) रिलेटिव रेफ्रेंसिंग (ii) एब्सल्यूट रेफ्रेंसिंग
   (iii) मिश्रित रेफ्रेंसिंग

   वर्कशीट में प्रत्येक सैल का एक **नाम** व **पता** होता है, जो एक कॉलम का भाग होती है। यदि दोनों एक स्थान पर स्थिर हों तो **एब्सल्यूट** कहलाती हैं। यदि दोनों स्थिर न हों तो **रिलेटिव** कहलाती हैं। यदि उनमें से एक स्थिर हो तो **मिश्रित** कहलाती हैं।
3. एब्सल्यूट रेफ्रेंसिंग को कॉलम में पंक्ति संख्या व सैल की संख्या के साथ $ के चिह्न से दर्शाते हैं।
4. Autofilter को हटाने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए—

   पहला चरण – Data Menu से Fillter विकल्प पर क्लिक कीजिए। आप पर एक (✓) का निशान देखोगे जो ON होने का निर्देश देता है।

   दूसरा चरण – Autofilter को हटाने के लिए पुनः Autofilter पर क्लिक कीजिए।
5. (i) Sum Function

   यह सैल क्षेत्र में दी गई सभी संख्याओं को जोड़ता है।

   Syntax : Sum (range और numbers)

   उदाहरण— (B1 : B5) 45 उत्तर देगा।

   (ii) Average Function

   यह सैल क्षेत्र में दी गई संख्याओं का औसत निकालेगा।

   Syntax : AVERAGE (सैल क्षेत्र)

   उदाहरण : AVERAGE (B1 : B5) का औसत 9 होगा।

   (iii) Max Function

   यह सैल क्षेत्र में दी गई सबसे बड़ी संख्या को दर्शाएगा।

   Syntax : MAX (क्षेत्र अथवा संख्या)

   उदाहरणः MAX (B1 : B5) का Max 17 होगा।
6. Autofilter को लागू करने के चरण निम्नलिखित हैं—

   पहला चरण – जिस डाटा की जितनी सैल को आप फिल्टर करना चाहते हैं, उतने क्षेत्र पर क्लिक कीजिए, और फिर Autofilter पर क्लिक कीजिए।

   प्रत्येक कॉलम के हैडिंग पर आप छोटे-छोटे तीर के निशान बने हुए देखेंगे।

   दूसरा चरण – कॉलम हैडिंग में तीर के निशान (▾) पर क्लिक कीजिए; उदाहरण Total ।

   तीसरा चरण – Drop Down list में से किसी भी मान, उदाहरण- 251 पर क्लिक कीजिए।

   अब केवल वही पंक्तियाँ स्क्रीन पर प्रदर्शित होंगी जिनका मान 251 से कम होगा।

पाठ-7 एक्सेल में चार्ट बनाना

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (अ) 2. (अ) 3. (स) 4. (ब)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. चार्ट 2. चार्ट, ग्राफ
3. कस्टम 4. पिरामिड चार्ट

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. **पाई चार्ट (Pie Chart)–** यह डाटा को एक शृंखला के रूप में व उसके आकार को छोटा करके प्रस्तुत करता है।

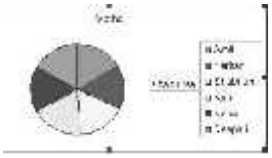

2. वर्कशीट में चार्ट के प्रकार को बदलने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए—

   पहला चरण – चार्ट में कहीं भी दायाँ क्लिक कीजिए। एक मेन्यु खुलता है।

   दूसरा चरण – चार्ट मेन्यु में चार्ट विकल्प पर क्लिक कीजिए। Chart Type Dialoge Box खुलता है।

   तीसरा चरण – किसी भी प्रकार के चार्ट पर क्लिक कीजिए। उसके उप-प्रकार प्रस्तुत हो जाएँगे।

   चौथा चरण – उप-प्रकार से अपनी पसंद के चार्ट को चुनिए।

   पाँचवाँ चरण – OK बटन पर क्लिक कीजिए।

3. डाटा को चित्रात्मक रूप में प्रस्तुत करना चार्ट अथवा ग्राफ कहलाता है। चार्ट और ग्राफ डाटा को प्रस्तुत करने का एक आकर्षक तरीका है।

4. हम एक्सेल में चार्ट का आकार एवं स्थान अपनी इच्छानुसार परिवर्तित कर सकते हैं। हम चार्ट फ्रेम्स का प्रयोग करके चार्ट को कॉलम में भी सैट कर सकते हैं। चार्ट फ्रेम को हैंडल कहते हैं।

   चार्ट का आकार बदलने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए—

   पहला चरण – चार्ट की चौड़ाई बढ़ाने के लिए चार्ट के फ्रेम में बायीं ओर मध्य में स्थित हैंडल को अपनी इच्छानुसर ऊपर की ओर खींचिए।

   दूसरा चरण – चौड़ाई और ऊँचाई दोनों को समानुपात में बढ़ाने के लिए कोने के हैंडल को नीचे की ओर खींचिए।

   चार्ट का स्थान परिवर्तन करने के लिए इसके अंदर क्लिक करके चार्ट को अपनी इच्छानुसार किसी भी स्थान पर खींचते हैं।

5. **पिरामिड चार्ट (Pyramid Chart)–**यह स्तंभों को पिरामिड की आकृति में दिखाता है।

पाठ-8 एडॉब फोटोशॉप

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (ब) 3. (ब)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. आकर्षक, कलात्मक 2. रीटचिंग
3. फिल्टर 4. चार

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (iv) 2. (iii) 3. (v) 4. (ii)
5. (i)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. विभिन्न मारीक टूल्स की सहायता से हम इमेज के भागों को आयताकार, वृत्ताकार, एक पंक्ति अथवा एक कॉलम में चुनते हैं। इमेज के भाग को चुनने के चरण निम्न हैं-

   पहला चरण– इमेज को खोलिए।

   दूसरा चरण – कोने में दायीं ओर स्थित मरीक टूल्स में एक काले तीर के निशान पर क्लिक कीजिए मारीक टूल्स की आकृति को चुनने के लिए एक तालिका खुलती है। तालिका में से मारीक टूल का चयन कीजिए।

   - आयताकार मारीक टूल
   - अंडाकार मारीक टूल
   - एक रेखीय मारीक टूल
   - एक कॉलम का मारीक टूल

   इमेज पर क्लिक कीजिए और भाग का चयन करने के लिए माउस को उसके ऊपर खींचिए।

   इमेज के चुने हुए भाग पर हम छोटी-छोटी बिंदुदार रेखाओं का गोला बना हुआ देखते हैं।

2. Crop टूल का प्रयोग करने के चरण निम्नलिखित है–

   पहला चरण – Crop टूल पर क्लिक कीजिए।

दूसरा चरण – इमेज पर क्लिक कीजिए और माउस पाईंटर को इमेज के इतने भाग पर खींचिए जितने भाग को आप क्रूप करना चाहते हैं। जब क्रूप पूरा हो जाए तो एंटर की को दबाएँ।

3. फिल्टर को लागू करने चरण निम्न हैं-

पहला चरण– इमेज को चुनिए।

दूसरा चरण – Filter मेन्यु से किसी भी फिल्टर को चुनिए।

उदाहरण–Distort → Glass यदि एक डायलॉग बॉक्स खुलता है, तो OK पर क्लिक करके प्रभाव देखिए।

4. एडॉब फोटोशॉप एक ग्राफिक एडिटिंग प्रोग्राम है, जो एडॉब प्रणाली द्वारा विकसित एवं प्रकाशित किया गया है। ग्राफिक डिजाइनिंग के क्षेत्र में यह एक उपयोगी उपकरण है।
5. लेयर को छिपाने के लिए Eye आइकन पर क्लिक कीजिए।

□□□

कंप्यूटर-8

पाठ-1 कंप्यूटर का युग

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (स) 3. (अ) 4. (ब)
5. (ब)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. निर्देश 2. इंटरनेट 3. वॉय-फॉय
4. एम०पी०-3 म्युजिक 5. हॉट-स्पॉट
6. रोबोटिक्स

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. असत्य
5. सत्य 6. असत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (iii) 2. (iv) 3. (vi) 4. (v)
5. (ii) 6. (i)

लिखित प्रश्न

(ङ) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न–

1. Short Mobile Service
2. GPRS (General Packet Radio Service) बिना ध्वनि की एक नई सेवा है, जो आँकड़ों के आदान-प्रदान के लिए मोबाइल को इंटरनेट द्वारा जोड़ती है।
3. वाई-फाई (WiFi-Wireless Fidelity) तेज गति से बेतार द्वारा कार्य करने की एक क्रिया है। यह वाई-फाई युक्त यंत्रों को रेडियो तरंगों द्वारा एक-दूसरे से जोड़ने की प्रक्रिया है।
4. हॉट-स्पॉट बेतार द्वारा तेज गति से इंटरनेट पर कार्य करने की क्रिया है।
5. रोबोटिक्स रोबोट बनाने तथा उनका उपयोग करने की एक वैज्ञानिक विधि है। रोबोट एक बनावटी मानव होता है, जो मानव की तरह ही कार्य करता है, और उन सभी मुश्किल कार्यों को भी करता है, जिनमें मानव को खतरा रहता है।

(च) विस्तृत उत्तरीय प्रश्न–

1. वर्तमान समय में सूचना प्रणाली ऊँचाइयों पर है, और ऐसा कोई स्थान नहीं है, जहाँ पर कम्प्यूटर का प्रयोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से न किया जा रहा हो। इंटरनेट ने संचार को आधुनिक प्रणाली के माध्यम से सस्ता और तीव्र बना दिया है। कोई भी व्यक्ति अपना चित्र या वीडियो क्लिप वेब कैमरे के प्रयोग से और ध्वनि माइक्रोफोन के प्रयोग से भेज सकता है, तथा इसी प्रकार की वस्तुओं को प्राप्त भी कर सकता है, जिसे रंगीन प्रिंटर द्वारा चित्रित किया जा सकता है, या डीवीडी प्लेयर पर देखा जा सकता है।
2. इंफ्रारेड संचार एक प्रसिद्ध बेतार की पद्धति है। आप अपने दैनिक जीवन में कई बार इंफ्रारेड संचार का प्रयोग करते हैं। उदाहरण के लिए- जब आप रिमोट कंट्रोल का प्रयोग करते हैं, तो आप टेलीविजन तथा एअरकंडीशनर को बंद करते या खोलते हैं। आज लेपटॉप और सेल्युलर फोन में भी IrDA (Infrared Data Access Parts) होता है, जिसके द्वारा हम आंकड़ों का आदान-प्रदान करते हैं, तथा एक-दूसरे से वार्तालाप करते हैं।

3. पहले मोबाइल फोन का प्रयोग केवल बातें करने के लिए किया जाता था। परंतु वर्तमान समय में बातें करने से कहीं अधिक इसका प्रयोग MP3 म्यूजिक सुनने के लिए, नेट उपयोग करने के लिए, e-mail भेजने व प्राप्त करने के लिए, डिजीटल चित्र लेने के लिए, वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए, मोबाइल, कॉन्फ्रेंसिंग, PC द्वारा संचार करने आदि में किया जाता है। आज के स्मार्ट फोन में कई नए कार्य आ गए हैं; जैसे- सी०पी०यू, रैम, संग्रहण क्षमता, ब्राउजर, e-mail क्लाइंट, डिस्प्ले का प्रकार, की-बोर्ड, डिजीटल कैमरा और इसके जूम (Zoom) करने की क्षमता, इंफ्रेड (IR) ब्लूटूथ और वाई-फाई कनेक्टीविटी।

4. ब्लूटूथ एक ऐसी प्रणाली है, जिसके द्वारा हम कम दूरी पर अपनी फाइलों का आदान-प्रदान करते हैं। इसमें दो ब्लूटूथ यंत्रों को जोड़ने के लिए कम रेडियो लिंक पद्धति का प्रयोग किया जाता है।

ब्लूटूथ कम्प्यूटर, फोन तथा उपकरणों के बेतार द्वारा संचार कराने की पद्धति है। ब्लूटूथ पद्धति का अर्थ बेतार नेटवर्क को बदलना नहीं, अपतु उसका उपयोग करना है। ब्लूटूथ पद्धति उद्योगों में बेतार माध्यम द्वारा कार्य करने की प्रक्रिया है, जहाँ पर इसका कई कम दूरी वाले सूक्ष्म यंत्रों में उपयोग किया जाता है। रेडियो तरंगों पर आधारित होने के कारण अधिकतम 10 मीटर की दूरी तक इसके द्वारा वस्तुओं का आदान-प्रदान होता है। ब्लूटूथ युक्त उपकरणों में अन्य बेतार की पद्धति का होना आवश्यक नहीं है; जैसे- इंफ्रारेड।

5. बायोमीट्रिक से तात्पर्य किसी जीवित व्यक्ति के क्रियाशील अंगों का पता लगाने से है। यह भौतिकी गुणों; जैसे-उंगुलियों, हाथ, पैर, चेहरा, आँखों, कान, दाँत, नसों, आवाज आदि द्वारा ज्ञात किया जाता है।

बायोमीट्रिक क्रिया किसी व्यक्ति की जानकारी प्राप्त करने की स्वचालित पद्धति है। जैसे-आँखों की पहचान करना, हाथ की बनावट, अंगुलियों को पहचानना, चेहरे तथा ध्वनि को पहचानना आदि।

पाठ-2 आँकड़ों का विश्लेषण एवं सूचनाएँ

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (ब) 3. (अ) 4. (स)
5. (अ)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. विश्लेषण 2. चार
3. आँकड़ों, सूचनाओं 4. अनेक चमत्कार
5. विश्लेषण

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. असत्य 3. असत्य 4. असत्य
5. सत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (v) 2. (iv) 3. (i) 4. (ii) 5. (iii)

लिखित प्रश्न

(ङ) निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए–

1. लिखित आँकड़ों में अंग्रेजी वर्णमाला के सभी छोटे-बड़े, अंक, विशेष चिह्नों आदि का प्रयोग किया जा सकता है।

2. **गणनात्मक विश्लेषण (Calculative Processing)–** इस विश्लेषण में हम गणितीय गणनाएँ व उनकी तुलना करते हैं; जैसे- कौन बराबर है? कौन बड़ा है? कौन छोटा है? आदि।

3. **बैच डाटा प्रोसेसिंग (Batch Data Processing)–** इस प्रोसेसिंग को ऐसे संस्थानों में अपनाया जाता है, जहाँ पहले डाटा एंट्री की जाती है, तथा एक निश्चित समय के पश्चात् प्रोसेसिंग की जाती है। यह दुकानों, बैंकों में पहले मुख्य रूप से प्रयुक्त होती थी। इसके द्वारा दैनिक, साप्ताहिक, मासिक एवं वार्षिक रिपोर्ट निकाली जाती है अर्थात् प्रोसेसिंग रिपोर्ट निकालने के समय होती है।

4. **ऑनलाइन प्रोसेसिंग (Online Processing)—** यह बैच प्रोसेसिंग का विकसित रूप है। इसमें जैसे-जैसे डाटा को एंटर करते हैं, प्रोसेसिंग होती जाती है। उदाहरण ए०टी०एम०, रेलवे पूछताछ से समय के संबंध में पूछताछ आदि।

5. **निर्णयात्मक विश्लेषण (Decision Processing)—** इस प्रकार के विश्लेषण में परिणाम दी हुई शर्त पर आधारित होते हैं।

(च) विस्तृत उत्तरीय प्रश्न–

1. कम्प्यूटर को दी जाने वाली वे जानकारियाँ, जिनको विश्लेषित करके कम्प्यूटर परिणाम प्रस्तुत करता है, आँकड़े कहलाती हैं। आँकड़ों को कम्प्यूटर विश्लेषण हेतु आधारभूत तथ्य भी कहा जा सकता है।

कम्प्यूटर द्वारा आँकड़ों के विश्लेषण के उपरांत प्रस्तुत परिणाम को सूचनाएँ कहते हैं। वे जानकारियाँ जिनसे हमें अर्थपूर्ण ज्ञान प्राप्त होता है, सूचनाएँ कहलाती हैं।

2. अधूरे या अपूर्ण डाटा (आँकड़ें) को विश्लेषण (Processing) के पश्चात् अर्थपूर्ण डाटा (सूचना) के रूप में व्यवस्थित किया जाता है। अतः विश्लेषण (Processing) बहुत महत्वपूर्ण होता है।

   हम पिछली कक्षाओं में पढ़ चुके हैं, कि कम्प्यूटर की सारी कार्यप्रणाली निम्नांकित रेखाचित्र के अनुसार होती है-

   इनपुट → प्रोसेसिंग → आउटपुट अथवा डाटा → विश्लेषण → सूचना

   इस प्रकार हम कह सकते हैं, कि डाटा को कम्प्यूटर में इनपुट करते हैं। जिसे कम्प्यूटर विश्लेषित करता है, तथा परिणाम अथवा सूचनाएँ उपलब्ध करवाता है।

3. विश्लेषण मुख्यतः निम्नलिखित चार प्रकार से होता है-

   (i) गणनात्मक (ii) तुलनात्मक

   (iii) निर्णयात्मक (iv) तार्किक

   (i) **गणनात्मक विश्लेषण (Calculative Processing)–** इस विश्लेषण में हम गणितीय गणनाएँ व उनकी तुलना करते हैं; जैसे- कौन बराबर है? कौन बड़ा है? कौन छोटा है? आदि।

   (ii) **तुलनात्मक विश्लेषण (Comparative Processing)–** इसमें हम दो या दो से अधिक चीजों की तुलना करते हैं; जैसे- कौन बराबर है? कौन बड़ा है? कौन छोटा? आदि।

   (iii) **निर्णयात्मक विश्लेषण (Decision Processing)–** इस प्रकार के विश्लेषण में परिणाम दी हुई शर्त पर आधारित होते हैं।

   (iv) **तार्किक विश्लेषण (Logical Processing)–** इस प्रकार के विश्लेषण में परिणाम प्राप्त करने के लिए पदों के क्रम का सहारा लेते हैं।

4. कम्प्यूटर द्वारा किए गए डाटा विश्लेषण को इलैक्ट्रॉनिक डाटा विश्लेषण भी कहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि कम्प्यूटर में सभी डाटा इलैक्ट्रॉनिक संकेतों में बदल जाते हैं।

5. **वितरित डाटा प्रोसेसिंग (Distributed Data Processing)**—यह सामान्यत: नेटवर्क में होती है, जिसमें बहुत-से कम्प्यूटर आपस में जुड़े होते हैं। इस प्रोसेसिंग का प्रयोग तब किया जाता है, जब प्रोसेसिंग करने के लिए डाटा बहुत अधिक हो।

पाठ-3 डाटाबेस मैनेजमैंट

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (स) 3. (अ) 4. (ब)
5. (अ) 6. (अ)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. डी. बी. एम. एस में 2. डाटा का संग्रहण
3. वितरित डाटाबेस 4. नियंत्रित

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. असत्य
5. सत्य

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित के बारे में संक्षेप में लिखिए–

1. केंद्रीय डाटाबेस में संस्थान, कार्यालयों या बैंकों आदि का डाटाबेस एक बड़े कम्प्यूटर, जैसे- मेनफ्रेम कम्प्यूटर या मिनी कम्प्यूटर में संग्रहीत रहता है। उस संस्थान के कर्मचारी या उसकी विभिन्न शाखाओं के कर्मचारी नेटवर्क की सहायता से उस कम्प्यूटर में बने डाटाबेस को ऐक्सेस करते हैं। अर्थात् केंद्रीय डाटाबेस में संपूर्ण डाटाबेस एक ही स्थान पर संग्रहीत रहता है। रेलवे का डाटाबेस उनके मुख्य कार्यालय में एक शक्तिशाली सर्वर पर रहता है, जिसे रेलवे आरक्षण के सभी कार्यालय नेटवर्क की सहायता से उसे सर्वर से उस डाटाबेस का प्रयोग करते हैं।
2. DBMS की सभी तकनीकों को एकत्र करके निर्मित प्रोग्राम जो DBMS की सभी सुविधाओं को उपलब्ध कराएँ, DBMS प्रोग्राम कहलाते हैं।
3. आंतरिक स्तर में यह निर्धारण किया जाता है कि डाटाबेस मैमोरी में कहाँ संग्रहीत होगा? किस प्रकार से ऐक्सेस किया जाएगा? उसका आकार क्या होगा आदि। यह स्तर कम्प्यूटर हार्डवेयर के अत्यधिक निकट होता है।
4. डाटा फाइल का एक कॉलम उसका फील्ड कहलाता है। एक फील्ड में समान प्रकार के डाटा आइटम संग्रहीत होते हैं। डाटा फाइल के प्रत्येक फील्ड का एक नाम होता है, आकार होता है एवं एक प्रकार (जिस प्रकार के डाटा आइटम उसमें संरक्षित होंगे) होता है। फील्ड नाम को लेबल (Label) भी कहते हैं।

(ङ) विस्तृत उत्तरीय प्रश्न–

1. डाटाबेस का अर्थ है, 'डाटा का संग्रहण'। डाटाबेस वह स्थान है, जहाँ पर किसी संस्थान, कार्यालय या व्यक्ति का ऐसा डाटा जो किसी-न-किसी प्रकार से आपस में जुड़ा है, रखा जाता है।
2. डाटाबेस मैनेजमेंट प्रणाली ऐसी तकनीकों की व्यवस्था है जिसमें डाटाबेस का निर्माण करना, डाटाबेस में डाटा को संग्रहीत (Store) एवं व्यवस्थित करना, डाटाबेस के प्रारूप में आवश्यकतानुसार परिवर्तन करना, डाटाबेस में संग्रहीत डाटा को आवश्यकतानुसार परिवर्तित करना एवं डाटा से विभिन्न प्रकार की सूचनाओं को प्राप्त करना आदि कार्य संभव
3. डाटा फाइल अनेक पंक्तियों एवं कॉलम में बँटी रहती है, जिनके द्वारा कोष्ठों (cells) का निर्माण होता है। कोष्ठक में डाटा आइटम की एंट्री की जाती है।

   डाटा-फाइल के विभिन्न भाग निम्नलिखित हैं-

   डाटा आइटम (Data Item)–कोष्ठ डाटा फाइल की सबसे छोटी इकाई है। इस कोष्ठ में डाटा आइटम (डाटा) को संग्रहीत किया जाता है। डाटा आइटम, डाटा फाइल का सबसे छोटा भाग है।

   फील्ड (Field)–डाटा फाइल का एक कॉलम उसका फील्ड कहलाता है। एक फील्ड में समान प्रकार के डाटा आइटम संग्रहीत होते हैं। डाटा फाइल के प्रत्येक फील्ड का एक नाम होता है, आकार होता है एवं एक प्रकार (जिस प्रकार के डाटा आइटम उसमें संरक्षित होंगे) होता है। फील्ड नाम को लेबल (Label) भी कहते हैं।

   रिकॉर्ड (Record)–डाटा फाइल की एक पंक्ति उसका एक रिकॉर्ड कहलाती है। किसी डाटा फाइल का प्रारूप निर्धारण करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखते हैं-

   डाटा फाइल की एक पंक्ति उसका एक रिकॉर्ड कहलाती है। किसी डाटा फाइल का प्रारूप निर्धारण करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखते हैं-

   (i) डाटा फाइल का नाम
   (ii) डाटा फाइल में फील्डों की संख्या
   (iii) डाटा फाइल में रिकॉर्डों की संख्या
   (iv) डाटा फाइल के फील्डों के नाम
   (v) फील्ड का आकार एवं प्रकार
4. डाटाबेस का मुख्य उद्देश्य है- समान डाटा को एक ही समय में कई स्थानों पर प्रयोग होने देना। कम्प्यूटरीकृत डाटाबेस प्रयोगकर्ताओं की सभी आवश्यकताएँ पूर्ण करता है। एक ही समय में एक ही डाटाबेस को ऐक्सेस करके अनेक प्रयोगकर्ता अपनी आवश्यकतानुसार विभिन्न जानकारी भिन्न-भिन्न प्रारूपों में प्राप्त कर सकते हैं।
5. वितरित डाटाबेस में संस्थान का डाटाबेस एक 'सर्वर' (Server) में संग्रहीत न होकर कई 'सर्वर' कम्प्यूटरों पर विभक्त या वितरित रहता है।

   इंटरनेट में डाटाबेस अनेक प्रकार कम्प्यूटरों पर विभक्त रहता है। वितरित डाटाबेस को कई प्रयोगकर्ताओं द्वारा एक साथ एक ही समय में प्रयोग किया जा सकता है।

   केंद्रीय डाटाबेस में संस्थान, कार्यालयों या बैंकों आदि का डाटाबेस एक बड़े कम्प्यूटर, जैसे- मेनफ्रेम कम्प्यूटर या मिनी कम्प्यूटर में संग्रहीत रहता है। उस संस्थान के कर्मचारी या उसकी विभिन्न शाखाओं के कर्मचारी नेटवर्क की सहायता से उस कम्प्यूटर में बने डाटाबेस को ऐक्सेस करते हैं। अर्थात् केंद्रीय डाटाबेस में संपूर्ण डाटाबेस एक ही स्थान पर संग्रहीत रहता है। रेलवे का डाटाबेस उनके मुख्य कार्यालय में एक शक्तिशाली सर्वर पर रहता है, जिसे रेलवे आरक्षण के सभी कार्यालय नेटवर्क की सहायता से उसे सर्वर से उस डाटाबेस का प्रयोग करते हैं।

पाठ-4 कम्प्यूटर नेटवर्किंग

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (अ) 3. (ब) 4. LAN

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. नेटवर्क सॉफ्टवेयर 2. टोपोलॉजी
3. नोड 4. टोकन रिंग

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. सत्य 2. असत्य 3. असत्य 4. असत्य
5. असत्य

लिखित प्रश्न

(घ) निम्नलिखित के बारे में संक्षेप में लिखिए–

1. एक से अधिक जुड़े हुए कम्प्यूटरों का ऐसा समूह, जिसके द्वारा लोग विभिन्न सूचनाओं तथा उपकरणों

को आपस में बाँट सकें उसे नेटवर्क कहते हैं। नेटवर्क को बनाने की कला को नेटवर्किंग कहा जाता है।

2. 'Nodes' को वर्क स्टेशन के नाम से जाना जाता है। वर्कस्टेशन का कार्य होता है, सर्वर को Request भेजना तथा सर्वर इस Request के अनुसार वर्कस्टेशन को सेवा प्रदान करता है।

3. एक नेटवर्क में जिस प्रकार से कम्प्यूटरों को आपस में जोड़ा जाता है।, उसे टोपोलॉजी कहते हैं। दूसरे शब्दों में यह भी कहा जा सकता है, कि टॉपोलॉजी का अर्थ है, नेटवर्क का आकार।

4. **LAN (Local Area Network)–**एक छोटे क्षेत्र में फैले हुए नेटवर्क को LAN कहते हैं। अधिक LAN एक छोटी इमारत अथवा इमारतों के समूह तक सीमित होती हैं। परंतु एक LAN को दूसरी LAN से टेलीफोन तथा रेडियों तरंगों द्वारा जोड़ा जा सकता है।

   WAN (Wide Area Network)–WAN एक कम्प्यूटर नेटवर्क है, जो एक बड़े क्षेत्र; जैसे- एक शहर अथवा एक प्रदेश में फैला हुआ होता है। इसमें बहुत सारी LAN's एक साथ जुड़ी होती हैं। यह नेटवर्क सूचनाओं को एक जगह से दूसरे जगह भेजने के लिए टेलीफोन अथवा सैटेलाइट का प्रयोग करता है।

   MAN (Metropolitan Area Network)—यह एक ऐसा कम्प्यूटर नेटवर्क है, जिसका क्षेत्र LAN से बड़ा तथा WAN से छोटा होता है। जैसे- एक शहर का केबल टेलीविजन नेटवर्क।

5. नेटवर्क बनाने के लिए NIC (Network Interface Cards), हब/स्विच, नेटवर्क सॉफ्टवेयर तथा ethernet केबल इत्यादि की आवश्यकता होती है। कुछ ऑपरेटिंग सिस्टम; जैसे–Win-NT/2000/XP इत्यादि में नेटवर्क सॉफ्टवेयर पहले से ही जुड़ा होता है। यह सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर के हार्डवेयर के साथ मिलकर एक नेटवर्किंग वातावरण बनाते हैं, जो प्रयोगकर्ता को फाइलों को आपस में बाँटने में सहायक होता है।

6.

7. (i) **रिंग टोपोलॉजी के लाभ (Advantages of Ring Topology)**

   (अ) इसमें छोटे केबल की आवश्यकता होती है, क्योंकि एक node को दूसरी node से जोड़ा जाता है। इसमें खर्चा कम होता है।

   (ब) इसमें तेज गति वाले डाटा अर्थात् optical fibre केबल का प्रयोग किया जा सकता है।

   रिंग टोपोलॉजी से हानियाँ (Disadvantages of Ring Topology)–इसमें यदि एक node fail हो जाती है, तो पूरा नेटवर्क ही काम करना बंद देता है। नेटवर्क के पूरे ट्रैफिक को तब तक रोक दिया जाता है, जब तक कि उस हद्‌ को सही अथवा बदला न जाए।

   (ii) बस टोपोलॉजी के लाभ (Advantages of Bus Topology)–

   (अ) इस टोपोलॉजी में भी कम खर्चा होता है, क्योकि इसमें सभी हद्‌ो को जोड़ने के लिए केवल एक कम्प्यूकेशन केबल की आवश्यकता होती हैं।

   (ब) बस टोपोलॉजी पर आधारिक नेटवर्क में और अधिक हद्‌ो को भी जोड़ा जा सकता है।

   बस टोपोलॉजी से हानियाँ (Disadvantages of Bus Topology)–

   (अ) डाटा म्दत्लेग्दहे को कम करने के लिए, कुछ और हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर की आवश्यकता होती है, जिसकी वजह से यह काफी महँगा विकल्प है।

   (ब) इसमें यदि किसी एक पॉईंट पर केबल में कोई दोष आएगा, तो इसकी वजह से पूरा नेटवर्क बंद हो जाएगा।

पाठ-5 ई-कॉमर्स

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. (ब) 3. (ब) 4. (अ) 5. (अ)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. विक्रेता 2. ई-कॉमर्स 3. आधुनिक युग 4. व्यापार 5. EFTS

(ग) निम्नलिखित कथनों के समाने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. असत्य 5. सत्य

लिखित प्रश्न

(घ) विस्तृत उत्तरीय प्रश्न–

1. ई-कॉमर्स द्वारा व्यापार करने के लिए सबसे पहली आवश्यकता ई-कॉमर्स वैबसाइट की होती है। इंटरनेट के द्वारा व्यापार करने वाला प्रत्येक 'विक्रेता कंपनी' की अपनी एक वैबसाइट होती है। इस वैबसाइट पर विक्रेता द्वारा क्रय होने वाली विभिन्न वस्तुएँ (उत्पाद) तथा क्रय करने के लिए आवश्यक सभी चरणों से संबंधित जानकारी होती है।

   ग्राहक अपने कम्प्यूटर सिस्टम द्वारा इंटरनेट से जुड़ता है। इसके बाद सर्च इंजन द्वारा या किसी अन्य तरीके से पता लगाकर उस वैबसाइट को खोलता है, जिस पर उसकी आवश्यकता की वस्तु बिकने के लिए उपलब्ध है। इस वैबसाइट के द्वारा ग्राहक को विक्रेता, उसकी कम्पनी, क्रय करने के नियम एवं वस्तु के मूल्य से संबंधित जानकारी प्राप्त होती है।

   यदि ग्राहक को सभी जानकारियाँ सही लगती हैं, एवं वह उसे खरीदना चाहता है, तो वह ऑनलाइन ऑर्डर फॉर्म को भर देता है। इस ऑनलाइन ऑर्डर फॉर्म में ग्राहक अपनी जानकारी, जैसे- नाम, पता, खरीदी जाने वाली वस्तु आदि को भरता है।

   वस्तु के मूल्य को क्रेडिट कार्ड के द्वारा चुकाया जाता है। इस क्रेडिट कार्ड की जानकारी भी ऑनलाइन ऑर्डर फॉर्म में ही भरी जाती है।

   क्रेडिट कार्ड बैंक द्वारा जारी किया जाता है, जिसके द्वारा विभिन्न स्थानों एवं व्यापारिक संस्थानों से खरीदारी की जा सकती है।

   सभी जानकारी भरने के बाद ग्राहक द्वारा ऑनलाइन ऑर्डर फॉर्म प्रविष्ट (submit) कर दिया जाता है। इस प्रकार ग्राहक का ऑर्डर विक्रेता के डाटाबेस में चला जाता है।

   ऑर्डर फॉर्म में भरे गए क्रेडिट कार्ड की जानकारी से वस्तु के मूल्य के बराबर धनराशि ग्राहक के बैंक खाते से निकालकर विक्रेता के खाते (Account) में स्थानांतरित हो जाती है। धनराशि के इस प्रकार की हस्तांतरण प्रक्रिया को इलैक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर सिस्टम (Electronic Fund Transfer System) कहते हैं, जिसे संक्षिप्त में EFTS कहते हैं।

   वस्तु का मूल्य प्राप्त होने पर विक्रेता ऑर्डर किए गए समान को ग्राहक द्वारा बताए गए पते पर एक निश्चित समय अवधि में पहुँचा देते हैं। प्राप्त समान को ग्राहक द्वारा जाँचा एवं परखा जाता है। यदि वह उससे संतुष्ट है, तो सामान रख लेता है, अन्यथा वह निश्चित समयावधि से पूर्व उसे विक्रेता को वापस भी कर सकता है। इस स्थिति में विक्रेता ग्राहक की धनराशि उसके एकाउंट में वापस ट्रांसफर कर देता है।

2. ई-कॉमर्स वह ऐप्लीकेशन है, जिसके द्वारा व्यापार (कॉमर्स) संबंधी सभी गतिविधियाँ; जैसे- वस्तुओं को पसंद करना, उनका आदेश करना, मूल्य चुकाना, वस्तुओं का विज्ञापन एवं उनकी मार्केटिंग, मोल-भाव आदि कार्य इंटरनेट के माध्यम से घर पर बैठकर ही संपन्न किए जा सकते हैं। इसके द्वारा क्रय एवं विक्रय संबंधी सभी कार्य इंटरनेट की विभिन्न वेबसाइटों से किए जाते हैं।

   ई-शॉपिंग या ई-खरीदारी भी ई-कॉमर्स के अंतर्गत आते हैं। ई-कॉमर्स में ग्राहक एवं विक्रेता दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

3. किसी सार्वजनिक व्यापारिक केंद्र या विशेष क्षेत्र के लिए इंटरनेट पर बनी एक वैबसाइट बिजनेस हब कहलाती है। इस वैबसाइट पर उस क्षेत्र के व्यापार की सभी संभावित जानकारियाँ एवं उपयोगी लिंक (Link) होते हैं। बिजनेस हब में किसी विशेष क्षेत्र के प्रमुख व्यवसायियों के लिंक होते हैं। व्यापार संबंधी समाचार, सहायता, सूचनाएँ, ट्रेनिंग लिंक आदि सभी होते हैं। बिजनेस हब द्वारा एक व्यवसायी कंपनी अपने ग्राहक या अन्य स्थानों पर बैठे पार्टनर को खोज सकती हैं। उपभोक्ता कोई भी वस्तु खोज सकता है, आदि।

4. एक अच्छी ई-कॉमर्स वैबसाइट में निम्नलिखित विशेषताएँ होनी चाहिए-
   (i) वैबसाइट को सरलता से देखा एवं समझ जा सकता हो, अर्थात् वह यूजर फ्रेंडली (User friendly) होता है।
   (ii) वैबसाइट पर उपलब्ध वस्तुओं को अच्छी तरहसे वर्गीकृत करना चाहिए।

5. (i) WWW.Amazon.com
   (ii) Dubai business Hub
   (iii) Music business Hub

पाठ-6 कोरल-ड्रॉ परिचय

क्रियात्मक कार्य

पेंसिल टूल

जूम टूल

पिक टूल

शेप टूल

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (स) 2. दोनों 3. (ब) 4. पेंसिल टूल
5. (अ)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. डिजाइनिंग 2. कोरल XVII
3. कोरल कार्पोरेशन 4. एडिटिंग
5. शेप टूल 6. जूम इन टूल

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. असत्य 2. असत्य 3. असत्य 4. सत्य
5. सत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (vi) 2. (v) 3. (iv) 4. (i)
5. (iii) 6. (ii)

लिखित प्रश्न

(ङ) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न–

1. Ctrl + N
2. टाईप्लि बार, मैन्यु बार, स्क्रॉल बार
3. .cdr
4. कोरल ड्रॉ में बार-कोड बनाने के लिए एडिट (edit) मैन्यू के इंसर्ट कोड (insert code) विकल्प का चुनाव कीजिए। इससे बार-कोड विजार्ड का डायलॉग बॉक्स खुल जाएगा।

   इस विजार्ड में आवश्यकतानुसार विकल्पों का चुनाव करके बारकोड बनाया जा सकता है।
5. चार प्रकार के

(च) विस्तृत उत्तरीय प्रश्न–

1. कोरल-ड्रॉ एक डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर है। इसका निर्माण अमेरीका स्थित कोरल कॉर्पोरेशन द्वारा किया गया है। इसके द्वारा हम रंगीन एवं ब्लैक एडं व्हाइट चित्रों को सरलतापूर्वक बना सकते हैं।
2. टैक्स्चर फिल में रंगों की संपूर्ण श्रेणी होती है। इसके द्वारा किसी भी डिजाइन में ऑफसैट (offset) बदलकर उसका रूप परिवर्तित कर सकते हैं। यह 2-कलर पैटर्न के समान ही होता है।
3. कोरल-ड्रॉ में बिटमैप को इंपोर्ट करके प्रयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ विशेष बिटमैप में फिल टूल का प्रयोग कर रंग भी भर सकते हैं।

   कोरल ड्रॉ में किसी बिटमैप को आप निम्नवत् इंपोर्ट (Import) कर सकते हैं।

   सर्वप्रथम File पर क्लिक कीजिए जिससे इंपोर्ट (Import) डायलॉग बॉक्स खुल जाएगा।

   इस डायलॉग बॉक्स में बिटमैप जहाँ सुरक्षित है, उस ड्राइव या फोल्डर का चुनाव कीजिए।

   फोल्डर पर डबल क्लिक करके आवश्यकतानुसार फाइल का चयन कीजिए।

   अब इंपोर्ट (Import) बटन पर क्लिक करके जहाँ पर बिटमैप डालना है, वह क्लिक कीजिए—

   - बिटमैप में विशेष प्रभाव को आवश्यकता के अनुसार डाला जा सकता है; जैसे—आर्ट स्ट्रोक, कलर इफेक्ट, त्रिकोणीय प्रभाव, कलर, ट्रांसफॉर्म आदि।
   - बिटमैप में त्रिकोणीय प्रभाव द्वारा त्रिकोणीय गहराई को प्राप्त किया जा सकता है; जैसे—Perspective एवं Embossing.
4. टैक्स्चर फिल में रंगों की संपूर्ण श्रेणी होती है। इसके द्वारा किसी भी डिजाइन में ऑफसैट (offset) बदलकर उसका रूप परिवर्तित कर सकते हैं। यह 2-कलर पैटर्न के समान ही होता है।
5. कोरल-ड्रॉ में किसी भी ऑब्जैक्ट को चुनकर उसकी विलोम स्थिति में अत्यंत सरलतापूर्वक परिवर्तित किया जा सकता है।

   इसके लिए ट्रांसफॉर्म रोलअप (Transform rollup) के तीसरे विकल्प का प्रयोग किया जाता है। माउस के द्वारा भी चुने गए ऑब्जैक्ट के किसी बीच के एक बॉक्स को 180 डिग्री के कोण पर घुमा देने पर भी ऑब्जैक्ट की मिरर इमेज आ जाती है।

पाठ-7 एम. एस-एक्सेस का परिचय

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (अ) 2. (स) 3. (ब) 4. (ब)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. डाटाबेस 2. सुरक्षित
3. तालिका 4. कॉलम

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (iii) 2. (iv) 3. (v) 4. (ii)
5. (i)

लिखित प्रश्न

(ङ) विस्तृत उत्तरीय प्रश्न–

1. आँकड़ों से संबंधित तालिकाएँ डाटाबेस कहलाती हैं। डाटाबेस में आँकड़ों को एक उचित क्रम में व्यवस्थित किया जाता है।

2. संबंधित डाटाबेस की अवधारणा को सर्वप्रथम IBM के EF Codd ने सन् 1970 में प्रतिपादित किया था। संबंधित डाटाबेस आँकड़ों वह समूह है, जिसमें तालिकाओं में एक क्रम में व्यवस्थित किया जाता है।

   आँकड़ों को इन तालिकाओं में विभिन्न रूपों में व्यवस्थित किया जाता है। तालिकाओं को आसानी से बनाने की इस प्रकिया में संबंधित डाटाबेस की एक महत्वपूर्ण उपयोगिता है, जो इसे और आसान बनाती है। एक बार यदि इसमें वास्तविक डाटा को व्यवथित कर देते हैं, तो पुराने आँकड़ों में फेरबदल किए बिना नए आँकड़ों को भी व्यवस्थित कर सकते हैं।

   संबंधित डाटाबेस तालिकाओं का वह समूह है, जिनमें विभिन्न श्रेणि के आँकड़ों को सुरक्षित करके रखा जाता है।

   प्रत्येक तालिका में (जो बाद में Relation कहलाती है) एक और एक से अधिक श्रेणियों के आँकड़े स्तम्भों में व्यवस्थित होते हैं।

3. **पहला चरण** – Database Window में Design View में Create Table पर डबल क्लिक कीजिए।

   दूसरा चरण – Field name Column की पहली पंक्ति में Field का प्रकार भरिए। डाटा के प्रकार को कॉलम में भरने के लिए Tab Key को दबाइए।

   तीसरा चरण – जब हम डाटा के प्रकार को कॉलम में भर देते हैं, तो Drop down list में एक तीर का निशान दिखाई देता है। Data type Drop Down list को खोलिए और उसमें से Field के प्रकार को चुनिए।

4. **तालिका (Table)**—यह डाटाबेस का वह भाग है, जहाँ पर वास्तविक आँकड़ें सुरक्षित किए जाते हैं। एक्सेस में संबंधित निर्देश उसकी पंक्ति में सुरक्षित रहते हैं। इस पंक्ति को रिकॉर्ड कहते हैं।

   किसी रिकॉर्ड के किसी भी प्रकार का वर्णन उसके स्तंभ (Column) में सुरक्षित होते हैं, जिसे फील्ड कहते हैं।

   प्रश्नचिह्न (Query)—यह एक रिकॉर्ड अथवा रिकॉर्ड का वह समूह है, जिन्हें एक शर्त के आधार पर पूरा किया जाता है। डाटाबेस में इसका प्रयोग सूचनाओं को डाटाबेस से अलग रखने में किया जाता है।

   फॉर्म (Form)—यह बिल्कुल रिक्त स्थान की शीट की तरह होता है, जिसे आप अपने परीक्षा फॉर्म की तरह भरते हैं।

   इस प्रकार डाटाबेस में आँकड़ों को प्रविष्ट करने का एक साधारण तरीका है।

   एम.एस-एक्सेस फॉर्म और टेबल के मध्य एक लिंक स्थापित करता है, और सूचनाओं को सुरक्षित करता है, जिन्हें हम फॉर्म के रूप में तालिका में भरते हैं।

पाठ-8 फॉर्म और रिपोर्ट बनाना

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (स) 3. (अ) 4. (ब)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. फॉर्म 2. रिपोर्ट 3. रिपोर्ट

(ग) निम्नलिखित कथनों के समाने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य

लिखित प्रश्न

(घ) विस्तृत उत्तरीय प्रश्न–

1. फॉर्म टेबल की एक चित्रात्मक प्रस्तुति है। फॉर्म का प्रयोग करके हम टेबल में अपने रिकॉर्ड में अन्य रिकॉर्ड को जोड़ सकते हैं, उसे नया रूप दे सकते हैं, व उसे रद्द कर सकते हैं।
2. Report आँकड़ों को प्रिंट करके प्रस्तुत करने का एक शक्तिशाली साधन है।
3. फॉर्म को जाँचने के लिए हम उसे देख सकते हैं। अपने फॉर्म के डिजाइन को सैट करने के लिए हम साधारतः Design बटन (जो Table के समान होता है।) पर क्लिक करते हैं, और फॉर्म को अपनी इच्छानुसार सैट करते हैं।
4. विजार्ड का प्रयोग करके रिपोर्ट बनाना एक अच्छा विचार है। एम०एस-एक्सेस में हम विजार्ड का प्रयोग करके एक आकर्षक रिपोर्ट बना सकते हैं।
5. एम०एस-एक्सेस बनाए गए डाटा पर लगाने के लिए हमें लेबल बनाने की सुविधा भी प्रदान करता है।
   लेबल बनाने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए—

   पहला चरण – डाटाबेस विंडों में स्क्रीन के बायीं ओर उपस्थित Objects के नीचे Reports विकल्प पर क्लिक कीजिए।

   दूसरा चरण – डाटाबेस विंडो टूलबार में से New बटन पर क्लिक कीजिए। New Report Dialoge box खुल जाएगा।

   तीसरा चरण – Label Wizard विकल्प को चुनिए।

   चौथा चरण – उस Table अथवा Query का चयन कीजिए, जहाँ से आपको डाटा लाना है।

   पाँचवाँ चरण – OK बटन पर क्लिक कीजिए।

   छठा चरण – Label का साईज चुनिए।

   सातवाँ चरण – Next बटन पर क्लिक कीजिए।

   आठवाँ चरण – Text के लिए फॉन्ट और रंगों का चयन कीजिए।

   नौवाँ चरण – Next बटन पर क्लिक कीजिए।

   दसवाँ चरण – अपने लेबल के लिए Field का चयन कीजिए।

   ग्यारहवाँ चरण – Next बटन पर क्लिक कीजिए।

   बारहवाँ चरण – Fields को भरिए।

   तेरहवाँ चरण – Next बटन पर क्लिक कीजिए।

   चौदहवाँ चरण – Preview देखने के लिए लेबल को एक नाम दीजिए।

   पन्द्रहवाँ चरण – Finish बटन पर क्लिक कीजिए।

पाठ-9 माइक्रोमीडिया फ्लैश

वैकल्पिक प्रश्न

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. (ब) 2. (अ) 3. (ब)

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. ग्रुपिंग 2. एनीमेशन
3. डायलॉग बॉक्स 4. एनीमेशन

(ग) निम्नलिखित कथनों के समाने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

1. असत्य 2. असत्य 3. असत्य 4. असत्य

(घ) उचित मिलान कीजिए–

1. (iii) 2. (iv) 3. (v) 4. (ii)
5. (i)

लिखित प्रश्न

(ङ) विस्तृत उत्तरीय प्रश्न–

1. फ्लैश में नया डॉक्यूमेंट बनाने के लिए Flesh Document Link से Create New विकल्प पर क्लिक कीजिए। फ्लैश में एक नया रिक्त डॉक्यूमेंट खुला है।
2. माइक्रोमीडिया फ्लैश एक ऐसा सॉफ्टवेयर है, जो गेम्स, कार्टून, टैक्स्ट, ग्राफिक्स, एनीमेशन एवं अन्य प्रभाव देने में सहायक होता है। यह वैब पर "मूवीज" को डिजाइन करने में भी सहायक होता है। यह बिना प्रोग्रमिंग के एनी मेशन को बनाने में भी सहायक होता है।
3. Keyframes को Insert करना– Keyframes को Insert करने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए—

   पहला चरण – उस प्लेस होल्डर पर क्लिक कीजिए जहाँ पर आप Keyframes को डालना चाहते हैं।

दूसरा चरण – Shortcut menu से Insert Keyframe पर क्लिक कीजिए।

Keyframe को रद्द (Delete) करना

पहला चरण – Timeline से उस पर क्लिक कीजिए, जिसे आप रद्द करना चाहते है।

दूसरा चरण – Shortcut menu से Remove Frame पर क्लिक कीजिए।

4. प्रतीक (Symbol) फ्लैश में बनाया गया एक ऑब्जेक्ट है, इसकी विभिन्न प्रतियाँ बनायी जा सकती हैं, और इसका पुनः उपयोग किया जा सकता है। फ्लैश में Symbol को ग्राफिक बटन अथवा मूवी क्लिप के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

Symbol को बनाने के लिए दिए गए चरणों का पालन कीजिए—

पहला चरण – ऑब्जेक्ट को चुनिए।

दूसरा चरण – Modify Convert to Symbols विकल्प पर क्लिक कीजिए। Symbol Properties box खुल जाएगा।

तीसरा चरण – नाम को टाईप कीजिए और Movies Clip बटन अथवा Graphic का प्रकार चुनिए।

आपका Symbol बन जाएगा।

5. Shape tween का अर्थ है, कि एक ऑब्जेक्ट अपनी आकृति में परिवर्तन करके एक बिंदु से दूसरे बिंदु पर गति करता है। हम स्थिति, आकार, रंगों और आकृतियों में भी Tween लागू कर सकते हैं।

6. एक कार्टून फिल्म को बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह समय के अनुसार आँकड़ों की विषय-सूची को नियंत्रित करता है। यह बिल्कुल एक मूवी की रील के समान होती है, जिसमें सभी दृश्य एक शृँखला में प्ले होते हैं।

❑❑❑